राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण बुधवार,03 जुन2020 वर्ष–2, अंक –91 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

20 जुलाई से शुरू हो सकती है अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर(एजेंसी)। श्री अमरनाथ यात्रा पर चला आ रहा असमंजस अब दूर हो रहा है। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए पवित्र यात्रा 20 जुलाई से आरंभ होने की संभावना है और यह पहले से तय 3 अगस्त को सावन की पूर्णिमा पर यह समाप्त होगी। अभी पंजीकरण और संबंधित अन्य प्रक्रिया तय नहीं हुई है और श्राइन बोर्ड जल्द इस पर फैसला ले सकता है। इसी सप्ताह प्रस्तावित बैठक में श्राइन बोर्ड यात्रा के प्रारूप को अंतिम रूप दे सकता है। गौरतलब है कि पहले यह यात्रा 23 जून से प्रारंभ होनी थी और पहली अप्रैल से ही एडवांस पंजीकरण आरंभ होना था। कोराना संकट की वजह से यह पंजीकरण लगातार टाला जा रहा था। चुनौती यह है कि बर्फ हटाने का कार्य भी अब तक आरंभ नहीं हो पाया है।

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपराज्यपाल जीसी मुर्मू और बोर्ड के अधिकारियों से भी मुलाकात की थी। इनमें से अधिकतर संगठनों का निवेदन है कि यात्रा पहली जुलाई से शुरू की जाए। हालांकि इस पर सहमति नहीं बन पाई और बाद में यह लगभग तय कर लिया गया कि इसे 20 जुलाई के आसपास आरंभ किया जा सकता है।

इंडिया का नाम भारत करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नाम को इंडिया के बजाए भारत से संबोधित किए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई टल गई। सुप्रीम कोर्ट ने बिना अगली तारीख दिए हुए याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी है। इस याचिका पर प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई होनी थी लेकिन सीजेआई बोबडे के मंगलवार को अवकाश पर होने की वजह से इसे टाल दिया गया। इससे पहले शुक्रवार को भी सुनवाई दो जून तक के लिए टल गई थी। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें यह मांग की गई कि देश को इंडिया नहीं बल्कि भारत या हिन्दुस्तान के नाम से संबोधित किया जाए। इसके लिए सरकार को संविधान में संशोधन करने का निर्देश दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार कर लिया था। याचिका में दावा किया गया है कि भारत या हिन्दुस्तान शब्द हमारी राष्ट्रीयता के प्रति गौरव का भाव पैदा करते हैं। याचिका में सरकार को संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन के लिए उचित कदम उठाते हुए इंडिया शब्द को हटाकर, देश को भारत या हिन्दुस्तान कहने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह अनुच्छेद इस गणराज्य के नाम से संबंधित है। यह याचिका दिल्ली के एक निवासी ने दायर की है और दावा किया है कि यह संशोधन इस देश के नागरिकों की, औपनिवेशिक अतीत से मुक्ति सुनिश्चित करेगा। याचिका में 1948 में संविधान सभा में संविधान के तत्कालीन मसौदे के अनुच्छेद 1 पर हुई चर्चा का हवाला दिया गया है और कहा गया है कि उस समय देश का नाम भारत या हिन्दुस्तान रखने की पुरजोर हिमायत की गई थी। याचिका के अनुसार, यद्यपि यह अंग्रेजी नाम बदलना सांके. तिक लगता हो लेकिन इसे भारत शब्द से बदलना हमारे पूर्वजों के स्वतंत्रता संग्राम को न्यायोचित ठहरायेगा। याचिका में कहा गया है कि यह उचित समय है कि देश को उसके मूल और प्रमाणिक नाम भारत से जाना जाए।

आबादी रोकने बिहार सरकार की नई पहल.....

नई दिल्ली (एजेंसी) । को. विड–19 के बाद से बिहार सरकार अपने प्रदेश के मज़दूरों की वापसी को लेकर शुरू से ही बड़ी असमंजस्य की स्थिति में रही थी। मुख्यमंत्री नितीश कुमार पहले–पहल तरह–तरह के बयान दे रहे थे, कम्प्लीट लॉक डाउन की दुहाई दे रहे थे मगर राजनीतिक और श्रमिकों के दबाव में आकर आख़िरकार उन्हें अपने यहाँ के मज़दूरों को वापस लेने तैयार होना पड़ा। जिसका नतीजा यह हुआ कि देश के कोने–कोने से लौटने लगे। भारी संख्या में लौट रहे मज़दूरों की जाँच और

उन्हें एक निश्चित समय के लिए क्वारंटीन रखने की समस्या से बिहार सरकार को जूझना पड़ा। कई सेंटर्स पर खाने, पीने और रहने को लेकर बवाल भी मचा। लाखों की तादाद में लौटे मज़दूर बिहार सरकार के लिए नई मुसीबत बन गए हैं। यूँ तो बिहार सरकार कई तरह की समस्याओं में पहले से उलझी हुई है। अब उसके सामने यह समस्या आन पड़ी है कि लाखों की संख्या में लौटे मज़दूरों को संभाला कैसे जाएगा, रोज़गार, संसाधन और सुविधाएँ कैसे मुहैया कराई जाएगी। बिहार सरकार को इससे भी बड़ा ख़तरा आबादी बढ़ने का है। आबादी को लेकर सरकार अत्याधिक चिंतित है। सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए नायाब तरीक़ा निकाल है। कोरेंटीन किए गए श्रमिकों को छुट्टी के बाद जब घर जाने दिया जाता है उन्हें कंडोम और गर्भ निरोधक दवाई का एक पैकेट बतौर गिफ़्ट दिया जा रहा है। इस बात से समझा जा सकता है कि मज़दूरों की घर वापसी से सरकार को आबादी तेज़ी से बढ़ने का अंदेशा है।

अनुच्छेद 370 हटाने, नागरिकता संशोधन कानून पास करने व राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए– मनोज तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।मोदी सरकार 2.0 का पहला साल बेमिसाल रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाजपा सरकार के द्वितीय कार्यकाल का सफल एक वर्ष पूर्ण हो चुका है। केंद्र में भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल के ऐतिहासिक और अभूतपूर्व 1 साल पूरे होने पर मोदी सरकार की मुख्य उपलब्धियां से अवगत कराने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली प्रभ. ारी श्याम जाजू, दिल्ली भाजपा प्रदेश पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी एवं दिल्ली विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज दिल्ली भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस अवसर पर मोदी 2.0 के पहला साल में किए गए

कार्यों की बुकलेट का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी नीलकांत बक्शी व मीडिया प्रमुख अशोक गोयल देवराहा उपस्थित थे।

इस मौके पर श्री जाजू ने कहा कि एक साल में इतनी उपलब्धि हासिल करना अपने आप में कीर्तिमान है। मोदी सरकार अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को संकल्प मानकर पूरा कर रही है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र के एक–एक वादे को जमीन पर उतार कर दिखाया है। इसने लोकतंत्र में घोषणापत्र की महत्ता को तो स्थापित किया ही है, साथ ही लोकतंत्र की जड़ों को भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना से भारत में मृत्यु दर अन्य देशों की तुलना में सबसे कम है, जो कि मोदी सरकार की नीति की वजह से ही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जहां तुम, वहां हम की नीति पर काम करते हुए हर किसी को मदद पहुंचाई है। 5 करोड़ लोगों को भोजन, 52 करोड़ लोगों को मास्क, 4 लाख 80 करोड़ राशन राशन किट उपलब्ध कराने जैसे तमाम मदद की है। साथ ही उन्होंने दिल्ली सरकार को चेतावनी दी कि अगर सरकार दिल्ली की जनता को बेहतर सुविधा नहीं देती है तो वह आंदोलन और तेज करेंगे।

कोरोना काल में मॉनसून बढ़ाएगा मुसीबत, संक्रमण में हो सकता है और इजाफा

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच मॉनसून की दस्तक मुसीबत बढ़ा सकती है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जून के अंत या जुलाई में मॉनसून के सक्रिय होने के साथ संक्रमण में और इजाफा हो सकता है। इसी मौसम में जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू और मलेरिया के कहर को देखते हुए स्वास्थ्य एजेंसियों और नगर निकायों पर भी दबाव बढ़ेगा, जो पहले ही कोरोना से जंग में पूरी ताकत झोंक चुके हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च मुंबई के शोधकर्ताओं ने कहा कि मॉनसून में संक्रमण का दूसरा दौर शुरू हो सकता है। तापमान में कमी से इसमें उछाल की आशंका है। आईआईएससी बेंगलुरु के प्रोफेसर राजेश सुंदरेशन ने कहा कि आवाजाही में ढील से पहले ही बढ़ते मामलों से चिंता है और मॉनसून से यह कहना मुश्किल होगा कि ग्राफ कितना और ऊपर जाएगा। दिल्ली, मुंबई में डेंगू, मलेरिया जैसे रोगों से लड़ाई में ही स्वास्थ्यकर्मियों को बड़ी टीम जुटानी पड़ेगी।

डब्ल्यूएचओ ने भी चेताया–बिना क्लोरीन के नल वाले पानी में दो दिन जिंदा रह सकता है वायरस, अस्पताल के गंदे पानी में भी 20 डिग्री के तापमान तक रह सकता है, सीवेज पानी में हफ्तों तक रहता है।

ज्यादा देर तक जिंदा रहेगा कोरोना–एयरोसोल या खांसी-जुकाम के दौरान बाहर आने वाली बूंदों से फैलता है। लेकिन जलवायु में बदलाव के साथ इन बूंदों में वायरस ज्यादा देर तक जिंदा रह सकता है।

विशेषज्ञों ने कहा है कि सभी राज्यों ने कोरोना से जंग में ही स्वास्थ्यकर्मियों से लेकर सभी स्थानीय एजेंसियों का पूरा अमला झोंक रखा है। ऐसे में बाढ़, इंसेफेलाइटिस, डेंगू-मलेरिया जैसे रोगों से लड़ने को कर्मचारियों व बजट की कमी से संकट बढ़ेगा।

जम्मू-कश्मीर के आवंतीपोरा में एनकाउंटर, सुरक्षाबलों ने ढेर किया एक आतंकवादी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबल आतंकवादियों का सफाया करने में लगे हुए हैं। आवंतीपोरा के साइमोह इलाके में मंगलवार तड़के आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया। इस एनकाउंटर में सेना के जवानों ने एक आतंकी को मार गिराया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन जम्मू कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों का ज्वॉइंट ऑपरेशन है। इससे पहले रविवार सुबह अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। वहीं, शनिवार को कुलगाम में भी एनकाउंटर हुआ था। कुलगाम जिले के वानपोरा इलाके में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था। पुलिस ने आतंकियों की पहचान नहीं बताई थी। यह जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ का ज्वाइंट ऑपरेशन था। आतंकियों के पास से सुरक्षाबलों ने हथियार भी बरामद किए थे।

इस एनकाउंटर में सेना के जवानों ने एक आतंकी को मार गिराया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन जम्मू कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों का ज्वॉइंट ऑपरेशन है। इससे पहले रविवार सुबह अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

श्रीनगर में दो आतंकियों को किया था ढेर–वहीं, इसी महीने के मध्य में श्रीनगर के नवाकदल इलाके में सुरक्षाबलों का आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई थी। देर रात शुरू हुए एनकाउंटर में हिज्बुल मुजाहिद्दीन के दो आतंकवादी मारे गए थे। वहीं, तीन सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए थे। सुरक्षाबलों को मौके से हथियार भी बरामद हुए।

भारत में कोविड-19 संक्रमितों का आंकड़ा 1 लाख 90 हजार के पार, 5000 से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना संक्रमण के करीब 8400 नए मामले सामने आने के बाद भारत में कोविड-19 के मरीजों की संख्या एक लाख 90 हजार के पार पहुंच गई, हालांकि ठीक होने वाले भी बढ़े हैं और इनकी संख्या करीब 92,000 हो गई है। वहीं, देश के कई शहरों में लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील दी गई जिससे सड़कों पर यातायात फिर बढ़ गया और कई जगह जाम जैसे हालात भी बन गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज सुबह दिए गए अपडेट में कहा कि रविवार सुबह आठ बजे से 24 घंटे में 230 लोगों की महामारी से मौत हुई जो एक दिन में सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही देश में महामारी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 5,394 हो गई। इसके मुताबिक संक्रमण के 8392 नए मामलों के सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 1,90,535 पहुंच गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के कोरोना ट्रैकर के मुताबिक अमेरिका, ब्राजील, रूस, ब्रिटेन, स्पेन और इटली के बाद भारत इस महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित दुनिया का सातवां देश है। पिछले साल दिसंबर में पहली बार चीन में सामने आए इस खतरनाक वायरस से दुनियाभर में करीब 62 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि तीन लाख 72 हजार लोगों की इस महामारी से जान जा चुकी है। हालांकि इस बीमारी से अब तक 27 लाख के करीब लोग ठीक भी हो चुके हैं। अब कई देश अपने यहां अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने और लोगों की आजीविका सुरक्षित रखने के लिए लागू पाबंदियों में ढील देना शुरू कर चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 के इलाजरत मामलों की संख्या 93,322 है जबकि 91,818 लोग इससे ठीक हो चुके हैं। ठीक होने वालों की दर 48.19 प्रतिशत है। वैश्विक आंकड़ों की बात करें तो 43 प्रतिशत लोग अब तक ठीक हो चुके हैं जबकि छह प्रतिशत लोगों की इसकी वजह से जान गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में कोविड-19 से ठीक होने की दर में सुधार हो रहा है और मृत्यु दर लगातार कम होकर 2.83 प्रतिशत पर पहुंच गई है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 से ठीक होने की दर 15 अप्रैल को 11.42 प्रतिशत से सुधर कर तीन मई को 26.59 प्रतिशत हुई और 18 मई को यह और सुधर कर 38.29 प्रतिशत हो गई। इसमें आगे कहा गया कि भारत में इस महामारी के कारण होने वाली मृत्युदर 2.83 प्रतिशत है जबिक इसकी वैश्विक दर 6.19 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 की मृत्युदर 15 अप्रैल को जहां 3.30 प्रतिशत थी वहीं तीन मई को यह गिरकर 3.25 प्रतिशत हुई जबकि 18 मई को इसमें और गिरावट आई और यह 3.15 प्रतिशत पर आ गई।

मंत्रालय ने कहा, देश में मृत्युदर के मामले में सतत गिरावट देखी जा सकती है। अपेक्षाकृत कम मृत्युदर की वजह लगातार निगरानी, समय पर मामलों की पहचान और मामलों के नैदानिक प्रबंधन पर ध्यान देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि दुनिया को विकास के 'मानवता केंद्रित' पहलू पर अनिवार्य रूप से अपना ध्यान लगाना चाहिए। बेंगलुरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह को वीडियो के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि वैश्वीकरण पर चर्चा अब तक आर्थिक पहलू पर केंद्रित थी लेकिन अब किसी देश द्वारा स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में की जाने वाली प्रगति पहले से कहीं ज्यादा मायने रखती है। विभिन्न राज्यों में राजस्थान, पश्चिमबंगाल, असम, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश से ज्यादा मामले सामने आए हैं जबकि वायरस की रोकथाम के लिये लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और संक्रमण की चपेट में आने वालों के इलाज के लिये स्वास्थ्य क्षेत्र के आधारभूत ढांचों को बढ़ाया जा रहा है।

तमिलनाडु में सैलून और ब्यूटी पार्लर खोलने को मिली अनुमति, बिना आधार कार्ड नहीं काटे जा सकेंगे बाल

चेन्नई(एजेंसी)।देश में कोरोना मरीजों का आंकड़ा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस बीच लॉकडाउन में छूट का दायरा बढ़ गया है। 1 जून से तमिलनाडु में सैलून और ब्यूटी पॉर्लर खोलने की अनुमति दे दी गई है। लेकिन राज्य सरकार ने बाल कटवाने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया है।

तमिलनाडु सरकार ने सैलून खोलने की अनुमति दे दी है, लेकिन अगर आप बाल कटवाना चाहते हैं तो आपको आधार कार्ड दिखाना होगा। सैलून मालिक हर ग्राहक का नाम, पता, फोन नंबर और आधार कार्ड नंबर दर्ज करेंगे। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। तमिलनाडु सरकार के दिशा निर्देशों के मुताबिक, कोई भी सैलून 50 फीसदी स्टाफ (8 स्टाफ से ज्यादा नहीं) के साथ खुलेंगे। सैलून में एसी नहीं चलेगा। सैलून में आने वाले लोगों के लिए मास्क अनिवार्य होगा और उन्हें पहले हाथ सैनिटाइज करने होंगे। इसके बाद वह आरोग्य सेतु ऐप की डिटेल दिखाएंगे।

सैलून मालिक कस्टमर को डिस्पोजेबल एप्रन और जूते के लिए कवर देंगे। अगर कस्टमर का बिल एक हजार रुपए आता है तो उन्हें 150 रुपए डिस्पोजेबल एप्रन और फुट कवर का देना होगा। सैलून में आ रहे लोगों का कहना है कि दो महीने के बाद सैलून खुलने से हम खुश हैं। हम सभी गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं। गौरतलब है कि तमिलनाडु सरकार ने पहले ग्रामीण इलाकों में सैलून खोलने की इजाजत दी थी, लेकिन अब पूरे प्रदेश में सैलून और ब्यूटी पार्लर खोले जा रहे हैं। सैलून मालिकों से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए कहा गया है। साथ ही नाई को हर वक्त मास्क और साफ–सफाई बनाए रखने का आदेश दिया गया है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

काम में बाधा

लॉकडाउन लगाना और चलाना जितना कठिन था, उससे कहीं अधिक कठिन है लॉकडाउन हटाना व सामान्य स्थिति में लौटना। लॉकडाउन खुलते समय जिस तरह का तनाव या विवाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में हुआ है, वह अभूतपूर्व ही नहीं, चिंताजनक भी है। दिल्ली से लोग नोएडा या गाजियाबाद में काम करने निकले, तो उन्हें सीमा पर ही उत्तर प्रदेश की पुलिस ने रोक लिया। ठीक ऐसा ही विवाद हरियाणा-दिल्ली सीमा पर एकाधिक बार देखने में आया है। गुरुग्राम की सीमा पर पिछले सप्ताह एक समय पथराव की स्थिति बन गई थी। स्वाभाविक है, अब दफ्तर खुल रहे हैं, तो किसी को दिल्ली जाना है, किसी को दिल्ली से बाहर जाना है। जहां दिल्ली लॉकडाउन 4 के समय से ही कमोबेश खुल चुकी है, वहीं गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में स्थिति अभी सामान्य नहीं है। 1 जून को जब दिल्ली के लोगों को सीमाओं पर रोका गया, तो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का रोष स्वाभाविक था, उन्होंने भी दिल्ली की सीमाओं को 8 जून तक बंद रखने का आदेश दे दिया। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? दिल्ली के पड़ोसी राज्यों की दुविधा को कोरोना संक्रमण के आंकड़ों से समझा जा सकता है। जहां दिल्ली में 18,550 लोग संक्रमित हो चुके हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में 7,750 और हरियाणा में महज 1,923 मामले हैं। जहां दिल्ली में 31 मई तक 416 मौतें हो चुकी हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में 201 और हरियाणा में 20 लोगों की जान गई है। आंकड़े गवाह हैं कि संक्रमण की स्थिति दिल्ली में गंभीर है। ऐसे में, दिल्ली से आ रहे लोग उत्तर प्रदेश व हरियाणा, दोनों के लिए चिंता की बात हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। दिल्ली अपनी अर्थव्यवस्था से और समझौता करने की मुद्रा में नहीं है, तो इसे समझा जा सकता है, पर ध्यान रहे, यह समय रोष का नहीं, बल्कि होश से कदम आगे बढ़ाने का है। पूरे एनसीआर क्षेत्र के तमाम प्रशासन को कुछ अलग ढंग से मिलकर सोचना होगा। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोगों का परस्पर जुड़ाव व्यापक है, लोगों के व्यावसायिक,सामाजिक, पारिवारिक हित जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को एक इकाई मानकर चलने की जरूरत है। इस वृहद क्षेत्र की जब रूपरेखा तैयार की गई थी, तब पूरे क्षेत्र के सुख-दुख को एक माना गया था, हालांकि राज्य सरकारों की अपनी-अपनी गुणवत्ता के अनुसार ही ये क्षेत्र कुछ-कुछ बंटे रहे हैं। इसलिए यह क्षेत्र कल भी आदर्श नहीं था और आज भी नहीं है। उदाहरण के लिए, सोमवार को ही दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एक एप की घोषणा की है, जिससे कोविड-19 के मामलों की निगरानी की जाएगी, लेकिन क्या राष्ट्रीय राजधानी के पूरे क्षेत्र के लोगों को इसमें शामिल किए बिना कोविड-19 की निगरानी में कामयाबी मिल सकेगी? इस एप के जरिए या किसी विशेष स्वास्थ्य जांच तंत्र के जरिए दिल्ली सरकार को आगे बढ़कर नई लकीर खींचनी चाहिए। साथ ही, जो क्षेत्र दिल्ली से जुड़े हुए हैं, उन्हें भी खास दिल्ली और उसके लोगों के रोजगार के बारे में सोचना चाहिए। यह क्षेत्र उत्तर भारत का व्यावसायिक इंजन है, इसके विभिन्न चालक-संचालक तभी कारगर व कामयाब होंगे, जब उनके बीच समन्वय होगा। काम पर निकले लोगों की जगह-जगह पुख्ता निगरानी हो, लेकिन किसी को काम पर जाने से रोका न जाए, तभी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र देश के सामने एक मिसाल पेश कर पाएगा।

आज के ट्वीट

भरोसा

अमेरिका में प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता के लिए मियामी पुलिस ने उनके सामने ही उनसे माफी मांगी। इसी के साथ वहां हिंसा रुक गई और लोगों ने पुलिस वालों को गले लगा लिया। आप इसी तरह भरोसा हासिल कर लोगों का दिल जीतते हैं।

जॉय

चुकाना होगा कोरोना संकट का आर्थिक मूल्य

भरत झुनझुनवाला

कोरोना संकट का आर्थिक मूल्य हर देश को अदा करना पड़ रहा है लेकिन इसे अदा करने के तीन अलग-अलग रास्ते हैं। पहला रास्ता ब्राजील का है। उस देश ने निर्णय लिया कि वह कोरोना का सामना करने के लिए कोई कदम नहीं उठाएगा। जितना संक्रमण होता है उसे होने देगा; जिन लोगों की मृत्यु होती है उन्हें मरने देगा। उस देश को आशा है कि जो लोग संक्रमण से बच जायेंगे, उनमें कोरोना का सामना करने की इम्युनिटी विकसित हो जाएगी और अर्थव्यवस्था पटरी पर आ जाएगी। इस रास्ते को अपनाकर ब्राजील ने भारी मूल्य अदा किया है। ब्राजील में हर 10 लाख जनसंख्या पर 116 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि भारत एवं चीन में केवल 3 लोगों की। भारी संख्या में लोगों की मृत्यु का भी आर्थिक मूल्य होता है। जैसे किसी व्यक्ति से पूछा जाये कि एक वर्ष अतिरिक्त जीवन जीने के लिए वह कितनी रकम अदा करने को तैयार है तो उसके जीवन के एक वर्ष के मूल्य का आकलन हो जाता है। जैसे यदि किसी व्यक्ति की वर्तमान आयु 50 वर्ष है और देश के नागरिकों की औसत आयु 75 वर्ष है तो माना जा सकता है कि उसे 25 वर्ष और जीना है। यदि उसके द्वारा एक वर्ष अतिरिक्त जीने का 2 लाख रुपया मूल्य बताया गया तो शेष जीवन का आर्थिक मूल्य 25 वर्ष गुणा 2 लाख यानी 50 लाख रुपये हुआ। यदि उसकी आज मृत्यु हो गयी तो मृत्यु की आर्थिक कीमत को 50 लाख रुपया माना जा सकता है। मेरे आकलन में इस प्रकार ब्राजील अपनी वार्षिक आय का लगभग 6 प्रतिशत मूल्य वर्तमान में ही अदा कर चुका है और यह अभी बढ़ ही रहा है। कोरोना का मूल्य अदा करने का दूसरा रास्ता चीन द्वारा अपनाया गया है। यह है कांटेक्ट ट्रेसिंग का। इस व्यवस्था में हर व्यक्ति जो सड़क पर आता है उसके लिए अनिवार्य होता है कि उसके पास स्मार्ट फोन हो। वह किसी भी संस्था जैसे विद्यालय या दुकान में प्रवेश करता है तो उसे केन्द्रीय कंप्यूटर से अपने एप के माध्यम से स्वीकृति लेनी पड़ती है। वहां पर उसका तापमान देखा जाता है। इस प्रकार केन्द्रीय कंप्यूटर को ज्ञान हो जाता है कि वह नागरिक किस समय कहां पर था। यदि तापमान देखने पर संकेत मिले कि उस व्यक्ति को कोरोना संक्रमण हुआ हो सकता है तो कंप्यूटर द्वारा चिन्हित कर लिया जाता है कि वह किन लोगों के सम्पर्क में आया होगा और उन सभी को तत्काल क्वारंटाइन किया जा सकता है। इस व्यवस्था को कारगर रूप में लागू करने के लिए जरूरी है कि हर व्यक्ति किसी भी संस्थान में प्रवेश करते समय स्वीकृति ले और इसमें तनिक भी गफलत न करे। इसके बाद सरकारी व्यवस्था इतनी चुस्त हो, जो उस व्यक्ति के सम्पर्क में आये हुए सभी लोगों को तत्काल सम्पर्क कर क्वारंटाइन कर सके। इस व्यवस्था को सख्ती से लागू कर चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को पुनः चालू कर लिया है। इस व्यवस्था का आर्थिक मूल्य न्यून है। लेकिन इसे लागू करने में प्रशासनिक कुशलता चाहिए। कंप्यूटर, स्मार्ट फोन आदि का खर्च तो लगता ही है, साथ-साथ इसमें सरकारी दखल का भी संकट है। सरकार को पता लग जाता है कि देश का हर नागरिक किन-किन लोगों से मिला है और उस सूचना का अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को दबाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। यदि डाटा लीक हो गया तो चोर को पता लग सकता है कि आप अपने घर पर किस समय नहीं हैं और वह आपके घर में चोरी कर सकता है। अपने देश की प्रशासनिक व्यवस्था चीन की तरह चुस्त नहीं है। इसलिए इस व्यवस्था को लागू कर हम गहरे संकट में पड़ सकते हैं। अर्थव्यवस्था को खोलने से लोगों का आपसी सम्पर्क बढ़ेगा और कोरोना का संक्रमण भी बढ़ेगा। लेकिन यदि हम संक्रमित लोगों को चिन्हित करके क्वारंटाइन न कर सकें तो परिस्थिति बेकाबू हो जाएगी इसलिए मैं इस व्यवस्था के पक्ष में नहीं हूं। तीसरा रास्ता सोशल डिस्टेंसिंग का है जिसे न्यूज़ीलैंड और अपने देश में केरल ने सफलतापूर्वक लागू किया है। इसमें नुकसान अधिक नहीं है जैसा कि ब्राजील। अपने देश में जिन राज्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग को सही ढंग से लागू किया, वहां संक्रमण नियंत्रित हो गया और जिन राज्यों ने लागू नहीं किया वहां संक्रमण बढ़ रहा है। अर्थात यह मध्यम व्यवस्था है लेकिन हमारे लिए यह एक मात्र विकल्प दिखता है। सोशल डिस्टेंसिंग को लागू करने का पहला उपाय यह है कि अपने देश में जितने भी औद्योगिक संस्थान, विद्यालय और प्रॉपर्टी कंस्ट्रक्शन साइटें हैं उन सभी को खोल दिया जाये लेकिन शर्त यह लगाई जाये कि जितने भी कर्मी या छात्र हैं, उनको उस संस्थान की चारदीवारी में ही रखा जाये। उनके रहने और भोजन की व्यवस्था भी वहीं की जाये। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था को हम तुरन्त चालू कर सकते हैं। यदि किसी स्थान पर संक्रमण पाया गया तो उस स्थान पर जितने कर्मी हैं उन्हें क्वारंटाइन किया जा सकता है तथा शेष अर्थव्यवस्था चलती रह सकती है। इस व्यवस्था को लागू करने में हमको स्वास्थ्य निरीक्षकों को नियुक्त करना होगा जो कि सुनिश्चित करें कि हर संस्थान के लोग अपनी चारदीवारी के अंदर ही रह रहे हैं। उपाय है कि जिन सरकारी कर्मियों का लॉकडाउन के समय कार्य ढीला है, उन्हें स्वास्थ्य निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। जैसे अपने देश में प्राथमिक स्तर पर 58 लाख सरकारी अध्यापक हैं और माध्यमिक स्तर पर 21 लाख। ये स्कूल बंद होने से खाली बैठे हैं। उन विद्यालयों को बंद किया जा सकता है, जिनमें छात्रों की संख्या कम है। इन छात्रों को चालू रहने वाले विद्यालयों में स्थानांतरित किया जा सकता है जहां वे रहें और पढ़ें। इस प्रकार हम इनमें से आधे या 33 लाख अध्यापकों को मुक्त कर सकते हैं और इन्हें उद्योगों आदि में स्वास्थ्य निरीक्षक के रूप में नियुक्त कर सकते हैं। औद्योगिक संस्थानों को कहा जा सकता है कि वे इन स्वास्थ्य निरीक्षकों का वेतन सरकार को अदा करें। इस प्रकार सरकार पर आर्थिक बोझ भी कम होगा और औद्योगिक संस्थान अपनी आर्थिक गतिविधि को चालू करने के लिए इस मूल्य को सहर्ष अदा करना स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार रेल और बस की संख्याओं को आधा किया जा सकता है और बचे हुए कर्मियों को रेलवे के डिब्बों और बसों में स्वास्थ्य निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। ऐसा करने से हम सोशल डिस्टेंसिंग को प्रभावी बना सकेंगे और कोरोना के संकट से हमें निकलने में मदद मिलेगी।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

युवा मन

आचार्य रजनीश ओशो/ यह बात ही झूठ है कि भारत का जवान राह खो बैठा है। भारत का जवान राह नहीं खो बैठा है, भारत की पूरी पीढ़ी की राह अचानक आकर व्यर्थ हो गई है, और आगे कोई राह नहीं है। एक रास्ते पर हम जाते हैं और फिर रास्ता खत्म हो जाता है, और खड्ड आ जाता है। आज तक हमने जिसे रास्ता समझा था वह अचानक समाप्त हो गया है, और आगे कोई रास्ता नहीं है। और रास्ता न हो तो खोने के सिवाय मार्ग क्या रह जाएगा? भारत का जवान नहीं खो गया है, भारत ने अब तक जो रास्ता निर्मित किया था, इस सदी में आकर हमें पता चला है कि वह रास्ता है नहीं। इसलिए हम बेराह खड़े हो गए हैं। रास्ता तो तब खोया जाता है जब रास्ता हो और कोई रास्ते से भटक जाए। जब रास्ता ही न बचा हो तो किसी को भटकने के लिए जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता। जवान को रास्ते पर नहीं लाना है, रास्ता बनाना है। रास्ता नहीं है आज। और रास्ता बन जाए तो जवान सदा रास्ते पर आने को तैयार है, हमेशा तैयार है। क्योंकि जीना है उसे, रास्ते से भटक कर जी थोड़े सकेगा! बूढ़े रास्ते से भटके, तो भटक सकते हैं। क्योंकि अब उन्हें जीना नहीं है। लेकिन जिसे जीना है, वह भटक नहीं सकता। भटकना मजबूरी है उसकी। जीना है तो रास्ते पर होना पड़ेगा, क्योंकि भटके हुए रास्ते जिंदगी की मंजिल तक नहीं ले जा सकते हैं। जिंदगी की मंजिल तक पहुंचने के लिए ठीक रास्ता चाहिए, लेकिन रास्ता नहीं है। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि युवक नहीं भटक गया है, हमने जो रास्ता बनाया था वह रास्ता ही विलीन हो गया; वह रास्ता ही नहीं है अब। आगे कोई रास्ता ही नहीं है। और अगर हम युवक वर्ग को ही गाली दिए जाएंगे कि तुम भटक गए हो, तो वह हम पर सिर्फ क्रुद्ध हो सकता है क्योंकि उसे कोई रास्ता दिखाई नहीं पड़ रहा है और आप कहते हैं भटक गए हो। हमने एक रास्ता बनाया था। वह रास्ता ऐसा था कि उसका व्यर्थ हो जाना अनिवार्य था। पहली तो बात यह है- हमने पृथ्वी पर चलने लायक रास्ता कभी नहीं बनाया। हमने रास्ता बनाया था, जैसे बेबीलोन में टॉवर बनाया था कुछ लोगों ने स्वर्ग जाने के लिए। वह जमीन पर नहीं जाता था, वह ऊपर आकाश की तरफ जा रहा था। स्वर्ग पहुंचने के लिए कुछ लोगों ने एक टॉवर बनाया था। हिंदुस्तान ने पांच हजार सालों में जमीन पर चलने लायक रास्ता नहीं बनाया, स्वर्ग पर पहुंचने के रास्ते खोजे हैं। स्वर्ग पर पहुंचने के रास्ते खोजने में हम पृथ्वी पर रास्ते बनाने भूल गए हैं।

उदासीनता बरतने वालों पर कार्रवाई हो

भटनागर

केन्द्र सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के दौरान लागू लॉकडाउन को अब अनलॉक करने का निर्णय ले लिया है। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लॉकडाउन के दौरान महानगरों से पलायन करने वाले कामगारों के साथ सौतेला व्यवहार हुआ। पलायन कर रहे इन कामगारों के खाने-पीने और ठहरने के लिए उचित बंदोबस्त करने के निर्देश के बावजूद राज्य सरकारों और उनके तमाम महकमों का रवैया बेहद उदासीनतापूर्ण रहा। उम्मीद की जा रही थी कि केन्द्र और राज्य सरकारें परस्पर तालमेल से काम करके इस संकट से उबरने का प्रयास करेंगी। कुछ हद तक ऐसा हुआ भी लेकिन लॉकडाउन की वजह से रोजगार गंवाने वाले कामगारों और इस महामारी से संक्रमित होने की आशंका में दिहाड़ीदार श्रमिकों तथा उनके परिवारों के पलायन को रोकने में राज्य सरकारें विफल हो गयीं। यह एक ऐसी मानवीय त्रासदी रही जिस पर राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देकर बेहतर तरीके से काबू पाया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए जरूरी है कि कामगारों की परेशानियों की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं देने वाले हुक्मरानों और नेताओं की जिम्मेदारी तय की जाये ताकि इसकी पुनरावृत्ति न हो। ऐसा लगता है कि पलायन कर रहे कामगारों की समस्याओं के प्रति राज्य सरकारें और स्थानीय प्रशासन बहुत गंभीर नहीं थे। इसीलिए सही जानकारी के अभाव में ये कामगार यहां से वहां भटकते रहे और कई बार हताशा की स्थिति में हिंसा पर भी उतारू हो गये। राज्य सरकारों में अगर इन कामगारों की सही तरीके से मदद करने की इच्छा होती तो निश्चित ही वे केन्द्र के साथ तालमेल करके इन श्रमिकों के भोजन, पानी और आश्रय शिविरों में ठहरने की समुचित व्यवस्था करतीं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पहले ही अपनी आजीविका का साधन खो चुके लाखों बेबस तथा बदहवास कामगार अपने-अपने पैतृक जिलों एवं गांव तक पहुंचने के लिए अधीर होने लगे। कामगारों की व्यथा से विचलित उच्चतम न्यायालय ने इसका स्वत- ही संज्ञान लिया और फिलहाल केन्द्र, रेलवे और राज्य सरकारों को अंतरिम निर्देश दिये। ऐसा नहीं है कि न्यायालय ने कोई ऐसे सख्त निर्देश दिये हैं जिन पर पहले अमल संभव नहीं था। राज्य सरकारें अगर पूरी गंभीरता से पलायन कर रहे कामगारों की समस्याओं पर ध्यान देतीं तो शायद उन्हें साइकिल, रिक्शा, मोटरसाइकिल, आटोरिक्शा, टैम्पू, ट्रक और यहां तक कि पैदल ही अपने-अपने पैतृक स्थानों की ओर कूच नहीं करना पड़ता। फिलहाल, न्यायालय ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि अपने यहां से चलने वाली ट्रेनों के स्टेशन पर वे इन श्रमिकों के खाने-पीने का बंदोबस्त करेंगी और रास्ते में यह जिम्मेदारी रेलवे की होगी। इसी तरह, अपने पैतृक घर जाने के इच्छुक कामगारों के पंजीकरण को भी सरल बनाने का निर्देश दिया गया है। केन्द्र सरकार का कहना है कि करीब 97 लाख श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया है और इस समय कामगारों का एक तबका अपने पैतृक स्थान जाने का इच्छुक नहीं है। केन्द्र सरकार भले ही लगातार निर्देश देती रही है कि इन कामगारों का पलायन रोका जाये और उनके लिए, जहां हैं वहीं पर, रहने तथा खाने की व्यवस्था की जाये। इन कामगारों के पास पैसा खत्म हो रहा था, नियोक्ताओं ने अपना कारोबार बंद कर दिया था, सरकार ने कहा कि इन्हें नौकरी से नहीं हटाया जायेगा लेकिन हुआ इसका उलटा। इन्हें किराये के कमरे खाली करने के लिए मजबूर कर दिया गया था। ऐसी स्थिति में उनमें अपने-अपने घर पहुंचने के लिए बेचैनी बढ़ रही थी। दरअसल, संबंधित राज्यों की सरकारों में इनकी समस्याओं के प्रति राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। राज्य सरकारों ने अगर कामगारों की परेशानियों का गंभीरता से आकलन किया होता और उनके हितों की रक्षा के लिए तत्परता दिखाई होती तो शायद दिल्ली, सूरत और मुंबई के बांद्रा में इनका जमावड़ा नहीं होता। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने पलायन कर रहे कामगारों की स्थिति से निपटने के बारे में विस्तृत विवरण मांगा है, लेकिन ऐसा लगता है कि लॉकडाउन को अनलॉक करने के निर्णय के मद्देनजर अब विषय दब सकता है। इसके बावजूद, यह जरूरी भी है कि सरकारें कोरोना वायरस महामारी के संकट से उबरने के बाद कामगारों की समस्याओं के प्रति उदासीनता बरतने और उन्हें उनके की हाल पर छोड़ने वाले हुक्मरानों की जिम्मेदारी तय करें।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

समाज में नफरत, जातिवाद के लिए कोई जगह नहीं: सत्य नडेला

वाशिंगटन. माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि समाज में ''नफरत और नस्लवाद'' के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही उन्होंने अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के साथ एकजुटता दिखाते हुए कहा कि सहानुभूति तथा आपसी समझ के साथ और अधिक प्रयास किए जाने की जरूरत है। अमेरिका में अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की हिरासत में मौत के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों की आग 140 शहरों तक पहुंच गई है, जिसे देश में पिछले कई दशकों में सबसे खराब नागरिक अशांति माना जा रहा है। वहीं हिंसा रोक पाने में अधिकारियों के विफल रहने के बाद न्यूयॉर्क सिटी में सोमवार देर रात कर्फ्यू लगा दिया गया। देश के अन्य शहरों की तरह न्यूयॉर्क में भी रात 11 बजे से सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू रहेगा। नडेला ने सोमवार को एक ट्वीट किया, ''हमारे समाज में नफरत और नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है। सहानुभूति और आपसी समझ एक शुरुआत है, लेकिन हमें और अधिक प्रयास करने चाहिए।'' नडेला ने कहा, ''मैं काले और अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के साथ खड़ा हूं और हम अपनी कंपनी में और अपने समुदायों में ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' इससे एक दिन पहले गूगल के सीईओ सुंदर पिचई ने अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के साथ एकजुटता व्यक्त की। नडेला की माइक्रोसॉफ्ट ने भी कहा कि कंपनी में काले और अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय की आवाज बुलंद करने के लिए वे मंचों का इस्तेमाल करेंगे। इन विरोध प्रदर्शनों में 4,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है और 40 शहरों में कर्फ्यू लगा है।

इंडिगो को बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 871 करोड़ रुपये का घाटा

नयी दिल्ली. इंटरग्लोब एविएशन ने मंगलवार को कहा कि मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान उसे 870.8 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो का स्वामित्व रखने वाली कंपनी को इससे एक साल पहले की समान अवधि में 595.8 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ हुआ था। मार्च 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 8,299.1 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कोविड-19 महामारी के चलते लागू देशव्यापी लॉकडाउन के चलते विमान परिचालन बंद होने से उसकी आमदनी पर काफी असर पड़ा।

कोरोना का प्रभाव, रेटिंग एजेंसी मूडीज ने आठ कंपनियों, तीन बैंकों की घटाई रेटिंग

नयी दिल्ली। भारत की राष्ट्रीय साख रेटिंग को एक पायदान नीचे करने के एक दिन बाद मूडीज़ इन्वेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को इनफोसिस, टीसीएस, ओएनजीसी सहित आठ गैर- वित्तीय कंपनियां और स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और एक्जिम बैंक की रेटिंग भी घटा दी। रेटिंग एजेंसी ने इसके साथ ही एनटीपीसी, एनएचएआई, गेल और अदाणी ग्रीन एनर्जी रिसट्रिक्टिड ग्रुप सहित सात भारतीय ढाचांगत क्षेत्र की कंपनियों की रेटिंग भी एक पायदान नीचे कर दी है। आईआरएफसी और हुडको की 'इश्युअर रेटिंग' को भी घटा दिया गया है। मूडीज का कहना है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में पैदा हुआ व्यावधान और भारत की सावरेन रेटिंग में की गई कमी ही मंगलवार को उठाये गये इन कदमों की मुख्य वजह हैं। मूडीज ने इससे पहले सोमवार को 22 साल में पहली बार भारत की साख को 'बीएए2' से घटाकर 'बीएए3' कर दिया। यह रेटिंग सबसे निचला निवेश गस्त हैं। इससे एक पायदान नीचे कबाड़ रेटिंग होती है। मूडीज ने कहा है, ''ओएनजीसी, एचपीसीएल, आयल इंडिया लिमिटेड, इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, बीपीसीएल, पेट्रोनेट एलएनजी, टीसीएस और इन्फोसिस-- इन सभी आठ गैर-वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों की दीर्घकालिक 'इश्युअर रेटिंग' को घटा दिया गया है। इन सभी रेटिंग के लिये परिदृश्य नकारात्मक है। '' रेटिंग एजेंसी ने हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रेटिंग को बरकरार रखा है लेकिन उसके लिये परिदृश्य को स्थिर से बदलकर नकारात्मक कर दिया है। बैंकों के मामले में मूडीज ने एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक की दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जमा रेटिंग को बीएए2 से घटाकर बीएए3 कर दिया। एक्जिम इंडिया की दीर्घकालिक जारीकर्ता रेटिंग को नकारात्मक परिदृश्य के साथ बीएए3 पर ला दिया गया है। इन बैंकों की जमा रेटिंग उसी स्तर पर रखी गई है जिस स्तर पर भारत की रेटिंग है। यह रेटिंग बीएए3 पर है।इसके साथ ही मूडीज ने एचडीएफसी बैंक की बेसलाइन क्रेडिट ऐससमेंट (बीसीए) को बीएए2 से घटाकर बीएए3 कर दिया। मूडीज ने बैंक आफ बड़ौदा, बैंक आफ इंडिया, केनारा बैंक और यूनियन बैंक आफ इडिया की दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जमा रेटिंग और उनके बीसीए की भी समीक्षा कर रही है। एजेंसी ने इंडसइंड के दीर्घकालिक स्थानीय और विदेशी मुद्रा जमा रेटिंग को नकारात्मक परिदृश्य के साथ घटा दिया है।

पेंशनर्स के लिए अच्छी खबर, EPFO ने जारी किए 868 करोड़ रुपए- इन लोगों के खाते में आएगी रकम

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने देश के लाखों पेंशनर्स को बड़ी खुशखबरी दी है। ईपीएफओ ने 105 करोड़ रुपए के एरियर के साथ 868 करोड़ रुपए की पेंशन जारी की है। अब इस सुविधा को उन लोगों के लिए बहाल कर दिया गया है, जिन्होंने 25 सितम्बर 2008 को या उसके पहले इसका विकल्प चुना था। कर्मचारी पेंशन योजना के तहत पेंशन फंड से आंशिक निकासी की सुविधा (कम्युटेशन) बहाल करने के फैसले को लागू करने के बाद अब यह रकम जारी की गई है। **epfo**अगस्त 2019 में श्रम मंत्री की अध्यक्षता में ईपीएफओ का फैसला लेने वाले शीर्ष निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने 6.3 लाख पेंशनभोगियों के लिए कम्युटेशन की सुविधा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत पेंशन में अगले 15 साल तक एक तिहाई की कटौती होती है और घटी हुई राशि एक मुश्त दे दी जाती है। 15 साल बाद पेंशनभोगी पूरी राशि लेने का हकदार होता है।सांकेतिक तस्वीरसरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पहले कम्युटेड पेंशन को बहाल करने का कोई प्रावधान नहीं था और पेंशनर्स को कम्युटेशन की एवज में जीवन भर कम पेंशन मिलता थी। मंत्रालय ने कहा है कि कर्मचारी पेंशन स्कीम 1995 के तहत यह पेंशनर्श के फायदे के लिए उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। श्रम मंत्रालय ने 25 सितंबर 2008 को या उसके पहले ईपीएफओ के पेंशन कोष से आंशिक निकासी की सुविधा का लाभ उठाने वाले पेंशन पाने वालों के लिए पेंशन कम्यूटेशन रिस्टोरेशन की सुविधा दिए जाने को लेकर अधिसूचना 20 फरवरी को जारी की थी। इस फैसले से 6.3 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित हुए हैं।

बाजार में दिखी तेजी, सेंसेक्स 522 अंक ऊपर चढ़ा, बैंक शेयर चमके

मुंबई।

बैंकिंग शेयरों में लाभ से मंगलवार को बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 522 अंक और मजबूत हुआ। कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन के बीच अब सरकार ने अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोलना शुरू कर दिया है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में एक समय 33,866.63 अंक के उच्चस्तर तक भी गया। अंत में सेंसेक्स 522.01 अंक या 1.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,825.53 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 152.95 अंक या 1.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9,979.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक आठ प्रतिशत चढ़ गया। कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडटी के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर मारुति, आईटीसी, एनटीपीसी और नेस्ले इंडिया के शेयरों में गिरावट आई। विश्लेषकों ने कहा कि लॉकडाउन में ढील के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। वैश्विक बाजारों में बढ़त से भी यहां धारणा मजबूत हुई। कारोबारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने और संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। इससे भी बाजार भागीदारों का उत्साह बढ़ा। वृद्धि चिंताओं के बीच रेटिंग एजेंसी मूडीज ने एक दिन पहले ही भारत की क्रेडिट रेटिंग को कबाड़ से एक पायदान ऊपर रखा है।

मोदी ने कहा है कि देश जल्द फिर से आर्थिक वृद्धि हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान जो सुधार किए गए हैं उनसे अर्थव्यवस्था को दीर्घावधि में लाभ होगा। वैश्विक स्तर पर चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी बढ़त में थे। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 2.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ 75.36 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

कोरोना इफैक्ट: लॉकडाउन से लाखों लोगों की गई नौकरी, मई में बढ़ी बेरोजगारी

बिजनेस डेस्क: पिछले 2 महीने से ज्यादा समय से कोरोना से बचने के लिए देश में लॉकडाउन चल रहा है। जिसके चलते उद्योग-धंधे बंद हो गए हैं सिर्फ अत्यावश्यक सेवाओं से संबंधित कारोबार सीमित क्षमता से किया जा रहा है। बाकी के उद्योग बंद होने से देश में बेरोजगारी में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। सबसे ज्यादा बेरोजगारी मई महीने में बढ़ी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) की रिपोर्ट के अनुसार 31 मई को समाप्त हुए हफ्ते में देश में बेरोजगारी की दर 23.48 प्रतिशत तक पहुंच गई है। अप्रैल महीने में बेरोजगारी की दर 23.52 प्रतिशत थी। वहीं 24 मई को समाप्त हुए हफ्ते में बेरोजगारी की दर 24.3 प्रतिशत थी। ये दर लॉकडाउन लागू होने के पहले 8 हफ्तों की अवधि के औसत 24.2 प्रतिशत दर से अधिक है।

बेरोजगारी दर बड़ा उछाल

देश में बेरोजगारी की दर लगातार बढ़ रही है। महाराष्ट्र टाइम्स में छपी खबर के अनुसार जनवरी 2020 में शहरी बेरोजगारी की दर 9.70 प्रतिशत थी वहीं मई में 16.09 प्रतिशत बढ़कर 25.79 प्रतिशत तक जा पहुंची है। उसी प्रकार जनवरी 2020 में ग्रामीण बेरोजगारी की दर 6.06 प्रतिशत थी जो कि मई महीने में 16.42 प्रतिशत बढ़कर 22.48 प्रतिशत पर पहुंच गई है। CMIE की रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा लॉकडाउन के नियम में शिथिलता लाने के बाद मई महीने में 2 करोड़ लोगों ने फिर से नौकरी पर जाना शुरू किया है। जिसकी वजह से देश में रोजगार की दर 2 प्रतिशत बढ़कर 29 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यही दर अप्रैल में 27 प्रतिशत पर थी। CMIE के मुताबिक 25 मार्च को लागू किए गए लॉकडाउन के कारण देश में करीब 12.20 करोड़ लोगों को नौकरी गंवानी पड़ी है।

भारत की क्षमता, संकट प्रबंधन पर है भरोसा, निश्चित ही हम अपनी वृद्धि वापस हासिल करेंगे: मोदी

नयी दिल्ली.

तमाम एजेंसियों द्वारा चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट के अनुमान व्यक्त किये जाने के विपरीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को देश की क्षमता, संकट प्रबंधन कौशल, किसानों और उद्यमियों पर भरोसा जताते हुये कहा कि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि को वापस हासिल कर लेगा। मोदी यहां देश के प्रमुख उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ के 125वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने सुधारों की गति बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को पुराने कानूनों की बंदिशों से मुक्त कर खोलने की दिशा में बढ़ने का भी जिक्र किया तथा कहा कि सरकार की ओर से उठाए जा रहे सुधारवादी कदमों का अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ होगा। मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता मे से एक है। सरकार जो फैसले तुरंत लिये जाने हैं वह ले रही है इसके साथ ही ऐसे भी निर्णय लिये गये हैं जो कि लंबे समय में देश की मदद करेंगे। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जिक्र करते हुये सरंचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने के साथ ही कृषि क्षेत्र के सुधारों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्र जो अब तक बंद थे उन्हें निजी क्षेत्र के लिये खोला गया है। इन सुधारों से आने वाले समय में आर्थिक वृद्धि की गति बढ़ाने में मदद मिलेगी। वीडियो कन्फ्रेंस के जरिये आयोजित सम्मेलन से जुड़े उद्योगपतियों को संबांधित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा, ''साथियों, कोरोना ने हमारी चाल जितनी भी धीमी की हो, लेकिन आज देश की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि भारत, लॉकडाउन को पीछे छोड़कर अनलॉक- पहले चरण में प्रवेश कर चुका है। इस चरण में अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा हिस्सा खुल चुका है। काफी हिस्सा अभी 8 जून के बाद और खुलने जा रहा है। यानि 'वृद्धि को वापस हासिल करने की शुरुआत तो हो चुकी है।'' एक दिन पहले ही प्रमुख वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज़ ने भारत की राष्ट्रीय रेटिंग को 'बीएए2' से एक पायदान नीचे कर 'बीएए3' पर ला दिया। मूडीज ने भारत की वित्तीय स्थिति बिगड़ने और आर्थिक मंदी लंबी खिंचने को लेकर चिंता व्यक्त की है।

मोदी ने कहा कि, ''आज ये सब हम इसलिए कर पा रहे हैं, क्योंकि जब दुनिया में कोरोना वायरस पैर फैला रहा था, तो भारत ने सही समय पर, सही तरीके से सही कदम उठाए। दुनिया के तमाम देशों से तुलना करें तो आज हमें पता चलता है कि भारत में लॉकडाउन का कितना व्यापक प्रभाव रहा है। इस लॉकडाउन में भारत ने कोरोना से लड़ाई के लिए भौतिक संसाधनों को तो तैयार किया ही, अपने मानव संसाधन को भी बचाया है। ऐसे में अब सवाल ये कि इसके आगे क्या? उद्योग जगत के प्रमुख होने के नाते, आपके मन में ये सवाल जरूर होगा कि अब सरकार क्या करने जा रही है? आत्मनिर्भर भारत अभियान के बारे में भी आपके कुछ सवाल होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को फिर से तेज़ विकास के पथ पर लाने के लिए, आत्मनिर्भर भारत बनाने के वास्ते 5 चीजें बहुत ज़रूरी हैं। इच्छाशक्ति, समावेशी रुख, निवेश, अवसंरचना और नवप्रवर्तन। हाल में जो निर्णय लिए गए हैं, उसमें भी आपको इन सभी की झलक मिल जाएगी। इन फैसलों के साथ हमने तमाम क्षेत्रों को भविष्य के लिये तैयार किया है। इसी वजह से आज भारत एक नए वृद्धि के रास्ते पर बड़ी उड़ान के लिए तैयार है। सुधारों का जिक्र करते हुये मोदी ने कहा, '' हमारे लिए सुधार कोई अचानक उठाये जाने वाले कदम अथवा इधर उधर के फैसले नहीं हैं।

अच्छा मॉनसून लाएगा खुशखबरी, कम हो सकती है भारत की सबसे बड़ी परेशानी

नई दिल्ली:

मॉनसून भारत पहुंच गया है, 1 जून को उसने केरल के तटों को छू लिया। यह देश के किसानों और खासकर सरकार के लिए बेहद राहत की खबर है। कोरोना वायरस ने देश की अर्थव्यवस्था को जो जख्म दिए हैं, उन्हें भरने में मॉनसून किसी मलहम का काम करेगा। बंपर फसल उत्पादन के लिए मॉनसून कितना जरूरी है, इसका अंदाजा इसे बात से लगाइए कि देश की आधे से ज्यादा खेतिहर जमीन पर यह बारिश कराता है। अर्थव्यवस्था को इससे कितना फायदा पहुंचेगा, ये तो बाद में पता चलेगा मगर असर जरूर होगा। क्योंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का करीब 45 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण अर्थव्यवस्था है। ऐसे वक्त में जब देश आर्थिक संकट से गुजर रहा है, मॉनसून की वैल्यू और बढ़ जाती है। लाखों लोगों की रोटी-रोटी का बंदोबस्त कोरोना लॉकडाउन की वजह से उजड़ गया। चार दशक से भी ज्यादा वक्त में पहली बार देश फुल-ईयर GDP ड्रॉप की तरफ बढ़ रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के योगदान को देखते हुए कृषि सेक्टर बेहद अहम है। और कृषि क्षेत्र के लिए मॉनसून अमृत की तरह है क्योंकि इससे खेत सीधे सींच जाते हैं और रिजर्वायर भी भरे रहते हैं। भले ही इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख पूरी तरह से न बदले, खाद्यान्न कीमतों पर इसका सकरात्मक असर होगा। कोरोनावायरस के इस काल में लोग जबर्दस्त इनकम लॉस का सामना कर रहे हैं। कई नौकरियां चली गई हैं और कई पर खतरा मंडरा रहा है। कई लोगों की आर्थिक हालत इतनी खराब हो गई है कि खर्च चलाने को उन्हें पुराना सोना बेचना पड़ रहा है। लेकिन यहां कहीं घाटा न हो जाए, जानिए कैसे चूना लगाते हैं जूलर्स।

मॉनसून सही तो लहलहाती है फसल

मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंसेज (पृथ्वी विज्ञान) के सचिव माधवन नायर राजीवन ने सोमवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में बड़ी आशाजनक बात कही। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर के बीच बारिश के मौसम में 102 फीसद बारिश होगी। अगर मॉनसून ने ठीक समय पर देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश की तो चावल, कपास और मक्के की फसलें लहलहा उठेंगी। अधिकतर फसलें सरप्लस होंगी जिससे दाम नियंत्रित रखने में मदद

मिलेगी।

मॉनसून पर निर्भर है फसलों की बुआई

देश में होने वाली 60 से 90 फीसदी बारिश मॉनसून के वक्त होती है। तमिलनाडु इसमें अपवाद है जहां बारिश के मौसम में साल की सिर्फ 35% बारिश ही होती है। किसान मॉनसून का इंतजार करते हैं ताकि चावल, मक्का, दालें, कपास और गन्ने जैसी फसलें बो सकें। बारिश आने में देरी या कमी का असर बुआई पर पड़ेगा और फसल उत्पादन पर असर पड़ेगा। इसलिए मॉनसून का सही समय पर, सही मात्रा में बारिश करना जरूरी है।

लॉकडाउन नियमों में ढील से देश में चीनी की मांग और सुधरेगी - इस्मा

नयी दिल्ली.

कोविड-19 की वजह से लागू सार्वजिनि पाबंदियों या लॉकडाउन नियमों में ढील दिए जाने के बाद चीनी की मांग सुधरेगी। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) का कहना है कि देश में चीनी की मांग सुधरनी शुरू हो गई है और होटलों-रेस्त्राओं के खुलने के बाद मांग और सुधरेगी। सरकार ने राष्ट्रव्यापी बंद को 30 जून तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा अनलॉक भारत योजना की घोषणा की है जिसके तहत मॉल्स, होटलों, रेस्तराओं तथा धार्मिक स्थलों को खोला जाएगा। हालांकि कोविड-19 मामलों के चलते नियंत्रण वाले क्षेत्रों में अभी इस तरह कोई छूट नहीं होगी। इस्मा ने मंगलवार को बयान में कहा कि मई की शुरआत से लॉकडाउन नियमों में ढील के बाद से चीनी की मांग में सुधार हुआ है। बयान में कहा गया है, ''अब जबकि देश 'अनलॉक' के चरण में हैं और मॉल्स तथा रेस्तरांओं को खोलने की अनुमति दी गई है, जून में चीनी की मांग और बढ़ेगी।'' इस्मा ने कहा कि गर्मियों की मांग के अलावा उम्मीद है कि चीनी मिलें न केवल अपना पूरा जून का कोटा बेच पाएंगी, बल्कि वे मई के बचे कोटा को भी बेच सकेंगी। सरकार ने मिलों को मई में 17,00,000 टन और जून में 18,50,000 टन चीनी बेचने की अनुमति दी है। मई के कोटा को बेचने के लिए एक माह का समय और दिया गया है। इस्मा ने कहा कि चीनी मिलें अप्रैल में एक साल पहले की समान अवधि के बराबर चीनी बेच पाई हैं। इसकी वजह है कि फरवरी के अंत में चीनी मिलों ने 10 लाख टन की अतिरिक्त बिक्री की थी। बयान में कहा गया है कि उत्तर भारत की मिलें मई में अपने मासिक कोटा को बेचने में सफल रही हैं। लेकिन पश्चिम और दक्षिण भारत की मिलें के पास शायद कुछ मासिक कोटा बचा है। इस्मा ने कहा कि मांग बढ़ रही है। सितंबर में समाप्त होने वाले 2019-20 के चीनी वर्ष में चीनी की बिक्री संभवत- पिछले साल की तुलना में पांच लाख टन कम रहेगी। उत्पादन के बारे में इस्मा ने कहा कि 2019-20 (अक्टूबर-सितंबर) के सत्र में पहले आठ माह में चीनी का उत्पादन 2.68 करोड़ टन रहा है। हालांकि, यह पिछले साल की समान अवधि के 3.27 करोड़ टन के मुकाबले कम है। हालांकि, उद्योग संगठन का मानना है कि इस सत्र में चीनी का कुल उत्पादन 2.7 करोड़ टन पर पहुंच सकता है, जो उसके पहले के 2.65 करोड़ टन के अनुमान से अधिक है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने ग्राहकों से धोखाधड़ी नहीं रोकने पर केंद्र, ट्राई और दूरसंचार कंपनियों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली:

दिल्ली हाईकोर्ट ने पेटीएम की याचिका पर केंद्र, ट्राई और दूरसंचार कंपनियों को नोटिस दिया। याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि मोबाइल कंपनियां अपने नेटवर्क पर ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियों को नहीं रोक रही हैं। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने संचार मंत्रालय, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण और एयरटेल, रिलायंस जियो, एमटीएनएल, बीएसएनएल और वोडाफोन सहित प्रमुख मोबाइल सेवा प्रदाताओं को नोटिस जारी किया और 24 जून को होने वाली अगली सुनवाई से पहले अपना पक्ष रखने की मांग की है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल मनिंदर आचार्य और केंद्र सरकार के स्थायी वकील अनुराग अहलूवालिया ने मंत्रालय की ओर से नोटिस स्वीकार किया। पेटीएम का संचालन करने वाले वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने दावा किया कि उसके लाखों ग्राहकों को मोबाइल नेटवर्क पर फिशिंग गतिविधियों से धोखाधड़ी का सामना करना पड़ा। याचिका में पेटीएम ने आरोप लगाया कि टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स ऐसे हैंडसेट यूजर्स के फोन नंबर को ब्लॉक नहीं कर रहे हैं, जो मोबाइल से पेटीएम ग्राहकों को कॉल, मैसेज या फिर मेल करके धोखाधड़ी करते हैं। इसके चलते पेटीएम

कंपनी को वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा रहा है। साथ ही उसकी साख कम हो रही है। याचिका में पेटीएम ने टेलीकॉम कंपनियों से 100 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की है। बता दें कि फिशिंग एक साइबर अपराध है, जहां लोगों को ईमेल, फोन कॉल या किसी व्यक्ति के जरिए संपर्क किया जाता है और किसी संगठन या किसी वित्तीय संस्थान का प्रतिनिधि बनकर लोगों से उनकी बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड से जुड़ी संवेदनशील जानकारी चुरा ली जाती है। पेटीएम की तरफ से अधिवक्ता करुणा नंदी ने यह दलील दी है कि टेलीकॉम कमर्शियल कम्युनिकेशंस कस्टमर प्रिवेंशंस रेगुलेशंस (टीसीसीसीपीआर) 2018 के तहत टेलिकॉम कंपनियां अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रही हैं, जिसे ट्राई ने अनचाहे कमर्शियल कम्युनिकेशंस की समस्या को रोकने के लिए अधिसूचित किया था।

पेटीएम की याचिका पर अदलत ने केंद्र, ट्राई से मांगा जवाब

नयी दिल्ली. दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पेटीएम की याचिका पर केंद्र, ट्राई और दूरसंचार कंपनियों को नोटिस दिया। याचिका में यह आरोप लगाया गया है कि मोबाइल कंपनियां अपने नेटवर्क पर ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी (फिशिंग) से जुड़ी गतिविधियों को नहीं रोक रही हैं। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायाधीश प्रतीक जालान ने संचार मंत्रालय, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण और एयरटेल, रिलायंस जियो, एमटीएनएल, बीएसएनएल और वोडाफोन समेत मोबाइल सेवा प्रदाताओं को नोटिस जारी कर याचिका पर अगली सुनवाई से पहले अपना रुख बताने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 24 जून को होगी। अतिरिक्त सोलिसीटर जनरल मनिन्दर आचार्य और केंद्र सरकार के स्थायी अधिवक्ता अनुराग अहलूवालिया ने मंत्रालय की तरफ से नोटिस स्वीकार किया। पेटीएम चलाने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लि. की याचिका पर यह आदेश आया। याचिका में दावा किया गया है कि उसके लाखों ग्राहकों के साथ धोखाधाड़ी वाली गतिविधियों के जरिये जालसाजी की गयी और दूरसंचार कंपनियां इस तरह की चीजों पर अंकुश लगाने में नाकाम हैं। याचिका में कहा गया है कि इसके कारण कंपनी को न केवल वित्तीय नुकसान हो रहा है बल्कि साख को भी बट्टा लग रहा है। कंपनी ने नुकसान की भरपाई के एवज में उनसे 100 करोड़ रुपये की मांग की है। फिशिंग यानी धोखाधड़ी एक साइबर अपराध है। इसमें लोगों से ई-मेल, फोन कॉल या एसएमएस के जरिय संपर्क किया जाता है। इसमें धोखाधड़ी में शामिल व्यक्ति स्वयं को संगठन का प्रतिनिधि बताकर लोगों से बैंक और क्रेडिट कार्ड और पासवर्ड जैसे संवेदनशील सूचनाएं हासिल करता है और गड़बड़ी करता है। याचिका में कहा गया है कि दूरसंचार कंपनियां दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक अधिमालन्याता नियमन (टीसीसीसीपीआर), 2018 के तहत तय दायित्वों का उल्लंघन कर रही हैं। ट्राई ने धोखाधड़ी वाले फोन कॉल या गतिविधियों की समस्या के समाधान के लिये यह नियम बनाया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

बार्सिलोना के 5 खिलाड़ी और 2 कोच कोरोना पॉजिटिव : रिपोर्ट

मेड्रिड । स्पेनिश लीग ला लीगा क्लब बार्सिलोना के पांच खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के दो सदस्य कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना क्लब के करीबी कैटलान रेडियो स्टेशन आरएसी1 ने मंगलवार को बताया कि ला लीगा ने मई में खिलाड़ियों का कोविड-19 टेस्ट किया था। रेडियो स्टेशन ने हालांकि अपनी खबर में किसी भी खिलाड़ी या स्टाफ के नाम का जिक्र नहीं किया है। इससे एक दिन पहले ही लीग के क्लबों को अपनी पूरी टीम के साथ अभ्यास करने की अनुमति दी गई थी। हाल ही में ला लीगा के पहले दो राउंड के मैचों की तारीखों का एलान किया गया था। बार्सिलोना की टीम 13 जून को घर से बाहर रियल मालोर्का के खिलाफ होने वाले मुकाबले से अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरूआत करेगा। कोविड-19 महामारी के कारण मार्च में लीग स्थगित कर दी गई थी और अब 11 जून से फिर से इसकी शुरूआत होने जा रही है। लीग के फिर से बहाल होने के बाद 11 जून को पहले मुकाबले में सेविला का सामना रियल बेटिस से होगा। वहीं, मौजूदा चैंपियन बार्सिलोना की टीम 13 जून को घर से बाहर रियल मालोर्का के खिलाफ होने वाले मुकाबले से अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरूआत करेगा।

धोनी ने इस साल अलग तरीके से आईपीएल की तैयारी की थी : रैना

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने बताया कि पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इस साल होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की एक अलग तरीके से तैयारी की थी। कोरोनावायरस महामारी के कारण आईपीएल अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित है। रैना आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं, जिसके धोनी कप्तान हैं। रैना और धोनी ने तीन मार्च से ही आईपीएल-13 की तैयारी शुरू कर दी थी, जिसका आयोजन 29 मार्च से होना था। रैना ने क्रिकेट कनेक्टेड कार्यक्रम में कहा, पहले कुछ उन्होंने इसे हल्के में लिया और उन्होंने केवल जिम पर ही अपना ध्यान लगाए रखा। लेकिन वह काफी अच्छा शॉट खेल रहे थे और उनकी फिटनेस भी बहुत अच्छी थी। वह थक भी नहीं रहे थे। उन्होंने कहा, इस समय उनकी तैयारी काफी अलग थी। राष्ट्रीय टीम में मैं उनके साथ कई वर्षों तक खेला हूं।

वह आईपीएल के लिए तैयार हो रहे थे। लेकिन इस बार समय अलग थी, इसलिए मुझे उम्मीद है कि मैच जल्द से जल्द शुरू हो। धोनी ने पिछले साल हुए विश्व कप के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है और ऐसा माना जा रहा था कि वह इस बार आईपीएल में नजर आएंगे। उन्होंने कहा, जब कोई कड़ी मेहनत करता है, तो प्रार्थनाएं और आशीर्वाद उन्हें अपना रास्ता दिखा देता है। सबसे अच्छी बात थी, (अंबाती) रायडू, मैं, माही भाई और मुरली (विजय) एक ग्रुप में बल्लेबाजी कर रहे थे। रैना ने कहा, माही भाई जब चेन्नई में रहते हैं तो वह लगभग दो चार घंटे तक बल्लेबाजी करते हैं।

लेकिन इस बार वह न केवल बल्लेबाजी कर रहे थे बल्कि वह सुबह सुबह जिम भी कर रहे थे। उसके बाद शाम को तीन घंटे तक बल्लेबाजी करते थे।

अगस्त-सितंबर में अपने खिलाड़ियों के लिए कैम्प लगाने की सोच रही है बीसीसीआई

नई दिल्ली।

सरकार ने कोरोनावायरस के कारण 25 मार्च से जो लॉकडाउन लगाया था, उसमें अब धीरे-धीरे रियायत दे रही है और इसी के चलते बीसीसीआई अब अपने खिलाड़ियों के लिए अगस्त-सितंबर के बीच कैम्प लगाने के बारे में सोच रही है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि बोर्ड खिलाड़ियों को मानसून के बाद मैदान पर लाने पर विचार कर रहा है ताकि वह घर में समय बिताने के बाद क्रिकेट गतिविधियों में वापस लौट सकें। उन्होंने कहा, एक बार मानसून खत्म होने के बाद हम तैयारी करने पर विचार कर रहे हैं। अगस्त-सितंबर के बीच हम अपने खिलाड़ियों को एक साथ लाने

और उनके खेल पर, उन्हें जोन में लाने के बारे में सोच रहे हैं। आपको समझना होगा कि मसल मेमौरी को तालमेल की जरूरत होती है और यह लोगे पेशेवर हैं। इसलिए यह सबसे ज्यादा शारीरिक पक्ष की अपेक्षा मानसिक पहलू की बात है। यह लोग लॉकडाउन में भी अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में कैम्प हो सकता है तो उन्होंने कहा, यह कहना जल्दबाजी होगा। अंतर्राज्यीय यातायात में और छूट मिलने दीजिए। देखते हैं कि महीने के बाद किस तरह से चीजें होती हैं और इसके बाद हम फैसला लेंगे कि कैम्प एनसीए में होगा या नहीं।

चहल पर टिप्पणी करने के कारण सोशल मीडिया पर घिरे युवराज

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह सोशल मीडिया पर घिर गए हैं। युवराज ने रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम पर बात करते हुए युजवेंद्र चहल के संबंध में एक टिप्पणी की थी जिसके बाद अब सोशल मीडिया पर वह घिरे नजर आ रहे हैं। इस समय कोरोनावायरस के कारण क्रिकेट नहीं हो रहा है और इसी कारण तमाम खिलाड़ी इंस्टाग्राम पर सक्रिय हैं। रोहित से बात करते हुए युवराज ने चहल पर एक जातिगत टिप्पणी की थी। इस बातचीत के दौरान युवराज ने कहा था, ये --- लोगों कोई काम नहीं है क्या युजी को.. युजी को देखा कैसा वीडियो डाला है। रोहित ने इसका जबाव देते हुए कहा था, मैंने उसको वही बोला की अपने बाप को नचा रहा है तू पागल तो नहीं है। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो की क्लिप बनाई और इसे वायरल कर दिया। इसी के साथ एक हैशटैग चलाया युवराज माफी मांगो। यह हैशटैग ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है।

BCCI अधिकारी ने कहा, हर तीन महीने में आंखों की जांच कराती है भारतीय टीम

नई दिल्ली।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने सोमवार को प्रस्ताव रखा है कि कोविड-19 के बाद खेल शुरू होने पर हर खिलाड़ी की आंखों की जांच की जाएगी। इसी के साथ यह पता चला है कि **BCCI** बीते तीन साल से अपने खिलाड़ियों के साथ ऐसा करती आई है। **BCCI** के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि यह सीएबी की तरफ से अच्छी पहल है, लेकिन **BCCI** बीते तीन साल से हर तिमाही में अपने खिलाड़ियों की आंखों की जांच करवा रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह उनकी तरफ से की गई अच्छी पहल है क्योंकि क्रिकेट रिफ्लेक्सेस और हाथ-आंख के हाथों के संयोजन का

खेल है। विराट और उनकी टीम बीते तीन साल से हर तिमाही अपनी आंखों की जांच करा रही है। यह अनुबंधित खिलाड़ियों के साथ किए गए करार का हिस्सा है। उन्होंने कहा, आपको समझना होगा कि हाथ-आंखों का संयोजन आपकी ताकत है और अगर किसी को समस्या है तो आप लैंस या चश्मे की मदद से इसे सुलझा सकते हैं क्योंकि आप 140 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद खेल रहे हैं। ऐसे में अगर आप जरा सी देर के लिए भी चूकते हैं तो काफी नुकसान हो सकता है। कोरोनावायरस के कारण इस समय क्रिकेट बंद है और सभी खिलाड़ी अपने घरों में रहने को मजबूर हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल के लिए मेहनत कर रहा हूं : फर्ग्यूसन

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा है वह मेहनत कर रहे हैं और कहा कि अगर कोरोनावायरस के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) होती है तो वह इसके लिए तैयार हैं। बीसीसीआई ने इस महामारी के कारण आईपीएल को अनिश्चितकाल तक के लिए टाल दिया है। फर्ग्यूसन आईपीएल में दो बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हैं। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए कहा, न्यूजीलैंड में हम सामान्य हालात की ओर बढ़ रहे हैं-- अपनी स्ट्रेंथ और कंडीशनिग ट्रेनिंग कर रहे हैं। हम अगले महीने से आगे बढ़ेंगे और धीरे-धीरे गेंदबाजी करेंगे। उम्मीद है कि सितंबर में क्रिकेट हो सके। खबरें हैं कि आईपीएल हो सकता है, मैं इसके लिए काम कर रहा हूं और ट्रेनिंग करूंगा। उनका हालांकि मानना है कि इस समय स्वास्थ प्राथमिकता है और इसलिए सही चीज की जानी चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि दर्शकों के सामने खेलने का जो मजा है उसे बदला नहीं जा सकता। फर्ग्यूसन आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए उस वनडे मैच का हिस्सा थे जो कोविड-19 के कारण बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में खेला गया था। उन्होंने कहा, यह शानदार अनुभव था। हम आश्वस्त नहीं थे कि हम खेल पाएंगे या नहीं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा, यह सीरीज में से काफी ऊर्जा ले गया। जाहिर सी बात है कि टूर्नामेंट बंद कर दिए गए हैं। मैच खेलना रोचक था। मुझे पता है कि मैं खाली स्टैंड से गेंद उठा रहा था उसे लेकर कई मीम बने थे। उन्होंने कहा, आप उसे शब्दों में बयान नहीं कर सकते कि इसमें कितना मजा आता है (दर्शकों के सामने खेलने में)। जैसे प्रशंसकों को पसंद आता है खिलाड़ियों को भी आता है। लेकिन इस समय स्वास्थ्य प्राथमिकता है।

रीडीम त्लांग ने एफसी गोवा से किया करार

पणजी। रिडीम त्लांग ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम एफसी गोवा के साथ 2020-21 के लिए करार किया है। क्लब ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी। दो साल नॉर्थईस्ट युनाइटेड के साथ बिताने के बाद यह 25 वर्षीय खिलाड़ी अब गोवा की जर्सी में दिखेंगे। उन्होंने कहा, मैं काफी खुश हूं। मैं एफसी गोवा को काफी पसंद करता हूं और अब मैं गौर टीम का सदस्य कहलाऊंगा, यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा पल है। मैंने नार्थईस्ट के साथ अच्छा समय बिताया है। उन्होंन कहा, गोवा के जुनूनी प्रशंसकों के सामने और देश के बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलना मेरे लिए अच्छा अनुभव साबित होगा। मैं शुरू करने को लेकर तैयार हूं। रिडीम शिलांग लाजोंग अकादमी से निकले हुए खिलाड़ी हैं और उन्होंने इसी क्लब के लिए आई-लीग में खेला है। नॉर्थईस्ट ने उन्हें 2018-19 सीजन में अपने साथ जोड़ा था।

टीटीएफआई ने खेल रत्न के लिए भेजा मनिका का नाम

कोलकाता ।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने मंगलवार को महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा का नाम खेल रत्न के लिए नामांकित किया है। यह दूसरी बार है जब मनिका का नाम खेल रत्न के लिए भेजा गया है। वह राष्ट्रमंडल खेलों में एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। टीटीएफआई के महासचिव एमपी सिंह ने आईएएनएस को बताया, हमने मनिका का नाम खेल रत्न के लिए नामांकित किया है। मनिका ने 2018 में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों में कुल चार पदक जीते थे जिसमें दो स्वर्ण पदक शामिल हैं। 24 साल की इस खिलाड़ी ने इन्हीं खेलों में भारत को पहली बार महिला टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही वह मिश्रित युगल में अचंता शरथ कमल के साथ मिलकर रजत पदक जीतने में सफल रही थीं। अर्जुन अवार्ड के लिए टीटीएफआई ने मधुरिका पाटकर, मानव ठक्कर और सुतिर्था मुखर्जी का नाम भेजा है। कोच जयंता पुशीलाल और एस. रमन को द्रोणाचार्य अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। 20 से 30 जून के बीच राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए कैम्प के बारे में पूछने पर सिंह ने कहा कि खिलाड़ी अभी तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम इस संबंध में फैसला जुलाई में लेंगे। वह लोग अभी कैम्प के लिए तैयार नहीं हैं और सफर भी नहीं करना चाहते। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं।

मुझे लगता है मैं अभी भी खेल सकता हूं : प्लंकट

लंदन। इंग्लैंड के लियाम प्लंकट का मानना है कि वह अपने देश में सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक हैं। प्लंकट को हाल ही में ट्रेनिंग के लिए चुने गए 55 खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। विश्व कप-2019 के फाइनल में तीन विकेट लेने वाले गेंदबाज ने कहा कि पिछले साल की तुलना में ज्यादा कुछ बदलाव नहीं हुआ है और वह अभी भी अपने देश के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का दम रखते हैं। प्लंकट ने डेली मेल से कहा, मुझे लगता है कि मैं न चुने जाने की बात से आगे निकल चुका हूं। मैं अलग स्थिति में हूं। उन्होंने सर्दियों में जो मुझसे कहा था.. जब मुझे ऑनलाइन पता चला कि मैं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली टीम में नहीं हूं..वह यह कि वे अलग रास्ते पर जा रहे हैं जो युवाओं के लिए है। उन्होंने कहा, मैं अभी भी अपने आप को देश की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम का हिस्सा मानता हूं। मुझे लगता है कि मैं अभी भी खेल सकता हूं। विश्व कप पिछले साल था और तब से ज्यादा कुछ बदला नहीं है। प्लंकट ने कहा कि वह भविष्य में अमेरिका के लिए खेलने को तैयार हैं। इसके लिए हालांकि उन्हें तीन साल के लिए वहां रहना होगा। प्लकंट ने बीबीसी रेडियो 5 लाइव से कहा, वहां कुछ क्रिकेट खेलना अच्छा रहेगा।

भारतीय टीम की फिटनेस का बांग्लादेश पर काफी प्रभाव : तमीम

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को अक्सर अपनी फिटनेस के प्रति अपने साथियों की सोच में बदलाव लाने का श्रेय दिया जाता है। हालांकि, बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल का मानना है कि कोहली के फिटनेस का प्रभाव भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं है। तमीम ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी संजय मांजरेकर के साथ ईएसपीएनक्रिकइंफो के पॉडकास्ट में कहा, यह अवश्य कहना चाहिए। मैं इसलिए ऐसा नहीं कह रहा हूं क्योंकि मैं एक भारतीय क्रिकेटर से बात कर रहा हूं, जोकि एक पूर्व क्रिकेर हैं। मुझे लगता है कि भारत हमारा पड़ोसी देश है। ऐसे में हमारे खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस से प्रभावित होकर खुद पर ध्यान देना शुरू किया है। 31 वर्षीय तमीम ने साथ ही कहा कि जब उन्होंने कोहली को मैदान पर अभ्यास करते हुए देखा था तो खुद पर उनको शर्म आने लगी थी। उन्होंने कहा, मुझे इसे बताने में कोई शर्म महसूस नहीं हो रही है कि मैंने जब दो-तीन साल पहले कोहली को जिम में और मैदान पर ट्रेनिंग करते देखा था तो मुझे खुद पर शर्म आने लगी थी कि मेरी उम्र का खिलाड़ी कितनी मुश्किल ट्रेनिंग कर रहा है। बांग्लादेशी बल्लेबाज ने कहा, विराट की सफलता का राज भी शायद उनकी फिटनेस है। वो जितनी ट्रेनिंग करते हैं मैं उसकी आधी भी नहीं करता। मैं अगर उनका 50 या 60 फीसदी भी कर लूं तो काफी बेहतर हो जाऊंगा।

लिवरपूल की टीम ने फ्लॉयड के समर्थन में दिखाई एकजुटता

लंदन।

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब लिवरपूल के खिलाड़ियों ने अमेरिका में पुलिस हिरासत में मारे गए अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड के प्रति एकजुटता दिखाई है। फ्लॉयड की मौत के बाद पूरे अमेरिका में विरोध प्रदर्शन जारी है। लिवरपूल की टीम सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो और फोटो पोस्ट की है, जिसमें पूरी टीम एनफिल्ड में घुटनों के बल बैठी हुई है और फ्लॉयड के प्रति एकजुटता दिखा रहे हैं। लिवरपूल ने पोस्ट में कहा, आज अभ्यास सत्र से पहले एनफिल्ड स्टेडियम में बने सर्कल में ब्लैक लाइव मैटर मूवमेंट (श्वेतों की जिंदगी मायने रखता है) आंदोलन के समर्थन में पूरी शक्ति के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पूरी टीम मौजूद थी। लिवरपूल के अलावा टीम के खिलाड़ियों ने भी अपने अपने अकाउंट पर फोटो साझा करके फ्लॉयड के प्रति एकजुटता दिखाते नजर आए। इनमें वर्जिल वान दिज्क, एलेक्जेंडर आर्नाल्ड, जेम्स मिल्नर और जॉर्जिनियो विज्नेलडम शामिल हैं। लिवरपूल के अलावा दुनिया भर के फुटबालर भी फ्लॉयड की मौत के बाद अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड स्टार फुटबालर पॉल पोग्बा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पिछले कुछ दिनों के दौरान मैंने मिनेपोलिस घटना को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के बारे में बहुत कुछ सोचा है। उन्होंने कहा, मुझे गुस्सा, दया, घृणा, आक्रोश, दर्द, उदासी महसूस हुई है। जॉर्ज और उन सभी अश्वेतों के लिए मेरे मन में बहुत दुःख है, जो नस्लवाद से पीड़ित हैं। वे चाहे फुटबाल में हों, दफ्तर में हो , स्कूल में या कहीं भी। पोग्बा ने कहा, नस्लवाद के हिंसक कृत्यों को अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। नस्लवाद को रोकें। उनके अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम ने भी फ्लॉयड को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा, जॉर्ज के परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं है। मैं दुनिया भर में अश्वेत समुदाय और लाखों लोगों के समर्थन में मजबूती से खड़ा हूं। 46 वर्षीय फ्लॉयड की पिछले सप्ताह अमेरिका के मिनेपोलिस शहर में पुलिस हिरासत के दौरान मौत हो गई थी। डेरेक चोविन नाम का श्वेत पुलिस अधिकारी जॉर्ज के गले पर अपने घुटनों के बल बैठा था और जॉर्ज बार-बार कह रहा था, मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं।

फुटबाल को बहुत मिस कर रहा हूं, यह अविश्वसनीय : क्लॉप

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब लिवरपूल के कोच जुर्गेन क्लॉप ने कहा है कि चैंपियंस का दर्जा मिलने से पहले उनकी टीम को मैच जीतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह वापसी करके बहुत खुश हैं क्योंकि कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने इस खेल को काफी मिस किया है। कोरोनावायरस महामारी के कारण प्रीमियर लीग मार्च से ही स्थगित है और अब 17 जून से इसकी शुरूआत होने जा रही है। लिवरपूल की टीम इस समय अंकतालिका में दूसरे नंबर पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से 25 अंकों से आगे है। रेडस के नाम से मशहूर लिवरपूल के पास अभी नौ मैच बचे हैं और टीम 30 साल में पहली बार खिताब जीतने की दौड़ में सबसे आगे चल रही है। क्लॉप ने बीबीसी से कहा, मैंने इसे बहुत मिस किया है और यह अविश्वसनीय है। मुझे पता है कि यह जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज नहीं है, लेकिन यह मेरा जुनून है। मुझे उम्मीद है कि लोग इसे लेकर उत्साहित है क्योंकि हम हैं। लिवरपूल के खिताब जीतने को लेकर उन्होंने कहा, इसके बारे में सोचना अच्छा है, लेकिन हम अभी चैंपियंस नहीं हैं और हम यह जानते हैं। हमें पता है कि हम इसके करीब हैं। हमें अभी 27 अंक लेने हैं और इसके लिए हम सबकुछ करेंगे। कोच ने कहा, हम अभी भी चैंपियंस नहीं हैं। टीम को मैच खेलना होगा और उसे जीतना होगा। दो मैच जीतने के बाद ही हम रूकना नहीं चाहते हैं। मैं नहीं समझता हूं कि अंक आसमान में रखे हैं। इसके लिए हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। ईपीएल के बाकी बचे सभी मुकाबले खाली स्टेडियम में बिना दर्शकों के ही खेले जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरी इंडस्ट्री में कैसे मिलेगी जॉब?

अगर आप बॉस या कंपनी से तंग आ चुके हैं, तो जॉब चेंज कर सकते हैं। हालांकि, अगर जॉब प्रोफाइल शानदार है और आपको यहां से आगे जाने का रास्ता नहीं सूझ रहा है, तब आप क्या करेंगे? यह नए सेक्टर में स्विच करने की वजह हो सकती है। अगर आपकी इंडस्ट्री (जिससे आप जुड़े हैं) खराब दौर से गुजर रही है, रेवेन्यू घट रहा है, लोगों की छंटनी हो रही है और एंप्लॉयी ग्रोथ की कोई गुंजाइश नहीं है, तो भी आप दूसरे सेक्टर में स्विच कर सकते हैं।

आप कहां जाएंगे?

टारगेट इंडस्ट्री की पहचान करना पहला कदम होगा। कुछ बातों के आधार पर आप संभावित इंडस्ट्री को शॉर्टलिस्ट कर सकते हैं। पहला, किस इंडस्ट्री ने आपकी इंडस्ट्री या मौजूदा फर्म से प्रफेशनल्स हायर किए हैं। दूसरा, किस इंडस्ट्रीज में उन की वर्ड्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके मौजूदा रोल या रिस्पॉन्सिबिलिटी से मेल खाता है। तीसरा, आपकी कंपनी के वेंडर्स दूसरी किस इंडस्ट्री के साथ कम करते हैं। चौथा, मेंटॉर और आपकी इंडस्ट्री के सीनियर प्रफेशनल्स आपको क्या सलाह देते हैं?

कहां मिलेगा पैसा?

एक या दो इंडस्ट्री को सेलेक्ट करने के बाद उन्हें समझने की कोशिश करें। इनके कस्टमर्स कौन हैं? रेवेन्यू कहां से आता है? एनवायरमेंट या मार्केट प्लेस में आए बदलाव का कितना असर इंडस्ट्री की कंपनियों पर पड़ेगा? इस इंडस्ट्री के डिफरेंट कॉम्पिटिटर्स एक-दूसरे से किस तरह से अलग हैं और पैसा कमाने में वे इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं?

आप क्या बेच रहे हैं?

आप एक प्रॉडक्ट हैं, जिसे बेचा जाना है। आप चाहते हैं कि आपका नया कस्टमर-यानी टारगेट इंडस्ट्री आपकी स्किल और काबिलियत देखे। इसके लिए आपको नए सेक्टर की जरूरतों को ध्यान में रखकर नए सिरे से रिज्यूमे बनाना होगा। ऐसा करते समय मौजूदा इंडस्ट्री से जुड़े की वर्ड्स और टर्म्स का इस्तेमाल न करें। आप जिस स्किल या अचीवमेंट को दिखाना चाहते हैं, उसे अलग स्टाइल में लिखें और ऐसे वाक्य का इस्तेमाल करें, जो असर डालने वाले हों।

क्या आप क्या जानते हैं?

अब इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से कनेक्ट करें। ट्रेड शो, कॉन्फ्रेंस और प्रफेशनल्स नेटवर्किंग साइट्स एंड कम्यूनिटीज शुरुआत करने के लिए अच्छी जगहें हैं। जहां मुमकिन हो, अपने संपर्क से मिलें और वर्क प्रोफाइल को समझने की कोशिश करें।

कैसे बढ़ाए कदम?

बेहतर रिजल्ट के लिए अपने गोल की तरफ छोट-छोटे कदम बढ़ाएं। फैमिली और दोस्तों का सपोर्ट हासिल करने के लिए उन्हें यकीन दिलाएं। यह पक्का करें कि आपने एक ही ऑप्शन तक खुद को सीमित नहीं रखा है। मल्टिपल रोल के लिए अप्लाई करें।

मौकों से भरपूर करियर फिल्ड है

रेडियोग्राफी

किसी भी बीमारी के सफल इलाज के लिए पहले बीमारी की पहचान बेहद जरूरी है. बीमारी की पहचान सिर्फ रोगी के लक्षणों के आधार पर नहीं की जा सकती बल्कि इसके लिए कुछ खास किस्म के शारीरिक परीक्षण भी कराये जाते हैं. ज्यादातर परीक्षण शरीर के अंदरूनी हिस्सों के ही होते हैं. इस किस्म के परीक्षणों को रेडियोग्राफी कहा जाता है. रेडियोग्राफी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में करियर बनाकर मेडिकल सिस्टम का विशेष हिस्सा बना जा सकता है. रेडियोग्राफी के जरिये शरीर के अंदरूनी हिस्से की जांच की जाती है. इससे मालूम किया जा सकता है कि रोगी के किस हिस्से में कौन-सी बीमारी है. रेडियोग्राफी के अंतर्गत एक्स-रे, फ्लोरोस्कॉपी, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, एंजियोग्राफी और पोसोट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी जैसे टेस्ट आते हैं. रेडियोग्राफी के अंतर्गत शरीर के किसी भी हिस्से की थ्री डायमेंशनल इमेज बनायी जाती है. इस इमेज को देखकर ही डॉक्टर यह पता लगाते हैं कि परेशानी की वजह क्या है. शरीर के भीतर हो रहे बदलावों की सही स्थिति जानने के लिए रेडियो इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. इसे रेडियोग्राफी भी कहते हैं. इस तकनीक के जरिये न सिर्फ शरीर की अंदरूनी व्यवस्था का पता लगाया जाता है बल्कि कैंसर और ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियों का इलाज भी किया जाता है. इन बीमारियों के इलाज के लिए रेडिएशन तकनीक रेडियोग्राफी के अंतर्गत आती है.

रेडियोग्राफी के क्षेत्र को मुख्यत- दो भागों में विभाजित किया गया है- पहला डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और दूसरा थेराप्यूटिक रेडियो ग्राफी. डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी मरीज को परीक्षण की प्रक्रिया समझाता है. साथ ही, उसे परीक्षण के लिए तैयार भी करता है. मशीन को किस तरह ऑपरेट करना है, इसकी जिम्मेदारी भी डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफर की होती है. तमाम उपकरणों और रिकॉर्ड के मेंटीनेंस की जिम्मेदारी भी डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफर की होती है. यह फिजीशियन और सर्जन को असिस्ट करने का काम भी करता है.

इसके विपरीत थे राप्यूटिक रेडियोग्राफी का इस्तेमाल बीमारियों के इलाज और कुछ जटिल बीमारियों को जड़ से खत्म करने में हो रहा है. ट्यूमर के इलाज में थेराप्यूटिक रेडियोग्राफी के अंतर्गत इस्तेमाल किया जाने वाला रेडिएशन बेहद नियंत्रित अवस्था में होता है. रेडिएशन की नियत मात्रा से ही ट्यूमर को छोटा किया जाता है. इस क्षेत्र में ऐसे कुशल लोगों की आवश्यकता रहती है, जो रेडियोग्राफी के अंतर्गत आने वाले रेडिएशन को न सिर्फ नियंत्रित कर सकें बल्कि उन्हें यह भी मालूम हो कि किस बीमारी के इलाज के लिए किस स्तर के रेडिएशन की जरूरत होती है. तकनीक के विकास के साथ रेडियोग्राफी का भी विकास होता जा रहा है.

इन दिनों रेडियोग्राफी के जितने भी उपकरण उपलब्ध हैं, वह पहले की तुलना में कहीं ज्यादा तकनीकी रूप से उन्नत हैं. आने वाले समय में इन उपकरणों की तकनीक में बड़े स्तर के फेरबदल होंगे, इस बात की पूरी संभावना है. ऐसे में, रेडियोग्राफी के क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं उपलब्ध हैं. इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों के लिए सबसे जरूरी यह है कि उनमें असीम धैर्य हो. तरह-तरह के मरीजों को इस बात का विश्वास दिलाना कि परीक्षण या इलाज के दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी और वह सुरक्षित मशीन से बाहर निकल आएंगे. एक सफल रेडियोग्राफर वही हो ता है, जो अपनी दिमागी क्षमता और मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर मरीज को बिना किसी हिचक के परीक्षण के लिए तैयार कर ले. परीक्षण भले ही दर्दनाक क्यों न हो, लेकिन रेडियोग्राफर मरीज को इस तरह समझाये कि मरीज रेडियोग्राफर पर पूरी तरह भरोसा करने लगे. इसके अलावा, रेडियोग्राफर में नई तकनीक के प्रति दिलचस्पी भी होनी चाहिए.

योग्यता - इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों को बायोलॉजी, फिजियोलॉजी में विशेष रुचि होनी चहिए. रेडियोग्राफी से जुड़े कोर्स स्नातक स्तर से शुरू होते हैं. रेडियो ग्राफी का एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध है. कुछ संस्थान डिप्लोमा इन डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और रेडियोथैरेपी का कोर्स भी कराते हैं. यह कोर्स दो साल की अवधि का होता है. इसके अलावा, डिग्री कोर्स के रूप में बीएससी इन रेडियोग्राफी, बीएससी इन मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी में दाखिला लिया जा सकता है. तीन साल के स्नातक स्तर के कोर्स के लिए छात्र का 12वीं में 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना जरूरी है. 12वीं में मैथमैटिक्स, फिजिक्स और केमेस्ट्री विषय होने चाहिए.

संस्थान - ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटल मैने जमेंट एंड अप्लाइड साइंसेज, चेन्नई असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर चेन्नई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर कॉलेज ऑफ एडवांस स्टडीज, चिपलम, महाराष्ट्र दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दरभंगा, बिहार डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, बीदर, कर्नाटक

कॉस्मेटिक सर्जन की तेजी से बढ़ रही मांग

आज के दौर में खूबसूरत दिखने के लिए लोग कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेने लगे हैं. यही वजह है कि कॉस्मेटिक सर्जन की मांग बढ़ रही है.

इन दिनों हर क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड कैंडिडेट्स यानी विशेषज्ञता हासिल कर चुके लोगों की मांग है. इसलिए बेहतर होगा कि पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही आप कॉस्मेटिक सर्जन के क्षेत्र को चुनें ताकि आगे बढ़ने के अवसर हमेशा मिलते रहें.

यदि आप मेडिकल के प्रोफेशन में आना चाहते हैं तो कॉस्मेटिक सर्जरी का क्षेत्र नए विकल्प के रूप में आपके लिए तैयार है. यदि रुचि हो तो आप इसमें बेहतर करियर बना सकते हैं.

बढ़ती मांग - अपने नैन-नक्श के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण आज देश की बड़ी आबादी कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा ले रही है. इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के अलावा, मध्यवर्गीय लोग भी खूबसूरत दिखने की चाहत में कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेने लगे हैं. यही वजह है कि आज इस क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं देखी जा रही हैं. वास्तव में, कॉस्मेटिक सर्जरी करवाना आज स्टेटस सिंबल बन चुका है. भारत में मुंबई और गोवा ऐसे शहर हैं, जहां बड़ी तादाद में भारतीय व विदेशी, दोनों कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए पहुंचते हैं. कॉस्मेटिक सर्जरी के क्षेत्र में दिल्ली भी पीछे नहीं है. अन्य हॉस्पिटल उद्योग की तरह यह क्षेत्र भी अब सेवा उद्योग बन चुका है. विशेषज्ञों की मानें तो कॉस्मेटिक सर्जरी का बाजार आज 30 से 40 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है, जबकि आज महज दो हजार से भी कम कॉस्मेटिक सर्जन हैं.

राहत भरा प्रोफेशन - विशेषज्ञों के मुताबिक, आमतौर पर जिस प्रोफेशन में अच्छा पैसा होता है, उसमें भागदौड़ बहुत ज्यादा होती है, लेकिन इस प्रोफेशन में ऐसी बातें नहीं हैं. एक कॉस्मेटिक सर्जन कुछ महीनों की प्रैक्टिस के बाद एक से सवा लाख रुपये प्रतिमाह तक कमा सकता है. प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की कमाई का तो अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल.

पहला पायदान है एमबीबीएस - कॉस्मेटिक सर्जन बनने की पहली सीढ़ी है एमबीबीएस का कोर्स. इसके बाद आपको मास्टर ऑफ सर्जरी या एमएस की डिग्री लेनी होगी. फिर प्लास्टिक सर्जरी में तीन साल एमसीएच या डीएनबी का कोर्स करना होगा. अब आप कॉस्मेटिक सर्जरी में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं. गौरतलब है कि कॉस्मेटिक सर्जरी की स्पेशल ट्रेनिंग के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी फेलोशिप हासिल करनी होती है. ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, स्पेन, बेल्जियम, ब्रिटेन, कनाडा, ब्राजील, मैक्सिको और वेनेजुएला जैसे देशों से यह फेलोशिप पूरी की जा सकती है. सामान्य डॉक्टरी पेशे की तरह इमरजेंसी कॉल्स व रात में हॉस्पिटल के चक्कर लगाने की समस्या से भी कॉस्मेटिक सर्जन मुक्त होते हैं. कुल मिलाकर, यह काफी राहत भरा प्रोफेशन है.

शिक्षण संस्थान - कॉस्मेटिक सर्जन की पढ़ाई के लिए अच्छे इंस्टीट्यूट में ही दाखिला लेना चाहिए. इस क्रम में दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग हॉस्पिटल, मुंबई स्थित ग्रांट मेडिकल कॉलेज और नायर मेडिकल कॉलेज सहित एसएमएस हैदराबाद व स्टैनले मेडिकल कॉलेज, चेन्नई जैसे कुछ नाम शामिल हैं.

नए युग का आगाज - कॉस्मेटिक सर्जरी में लेजर, स्लिम लिपो जैसी नई तकनीक व उपकरणों का प्रयोग होने के कारण नए युग का आरंभ हुआ है. ऐसे मॉडर्न तकनीकों और उपकरणों की सहायता से कॉस्मेटिक सर्जन अपने क्लाइंट्स की हर छोटी-बड़ी ख्वाहिश आसानी से पूरी कर रहे हैं. चूंकि इसके तहत एक नियत समय में शरीर के किसी खास हिस्से की मरम्मत या उसका रूपांतरण किया जाता है, इसलिए एक बड़े हिस्से में इसका क्रेज देखा जा सकता है. लिपोसक्शन, हेयर ट्रांसप्लांट, बोटोक्स, पेट की चर्बी घटाने जैसी प्रक्रियाएं कॉस्मेटिक सर्जरी के दायरे में आती है. अपने बेहतर लुक के लिए या खुद को जवां दिखाने के लिए अकसर फिल्मी सितारों के कॉस्मेटिक सर्जरी कराने या फिर बोटोक्स जैसी तकनीक अपनाने की बातें सुनने में आती हैं. अपने होंठों को खूबसूरत दिखाने के लिए उनकी सर्जरी करा चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को इसमें कोई बुराई नजर नहीं आती. वह कहती हैं कि बॉलीवुड में टॉप पर बने रहने के लिए बेहतर और खूबसूरत दिखना बेहद जरूरी है. मेरे प्रशंसक मुझे हमेशा अच्छा देखना चाहते हैं. उनकी उम्मीदों का मुझ पर भारी दबाव रहता है. ऐसे में, यदि मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी करानी भी पड़ती है तो इसमें बुरा क्या है? अगर किसी को लगता है कि कॉस्मेटिक सर्जरी कराने से वह और बेहतर दिख सकता है और उसके आत्मविश्वास में इजाफा हो सकता है तो सर्जरी कराने में मुझे तो कोई बुराई नजर नहीं आती.

फॉरेन लैंग्वेज सीखिए

और बनाइए अपना बेहतरीन कैरियर

फॉरेन लैंग्वेज के जानकार युवाओं के लिए बहुत से करियर ऑप्शंस रहते हैं. आज के युवा खुद को अपडेट करने के लिए अंग्रेजी के साथ फॉरेन लैंग्वेज भी सीख रहे हैं. इन भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्सेस किए जा सकते हैं. जर्मनी, स्पेनिश और चायनीज सभी विदेशी लैंग्वेंज में करियर के अवसर हैं, लेकिन वर्तमान में युवाओं में फ्रेंच भाषा के प्रति ज्यादा लगाव है. करियर काउंसलर्स के मुताबिक विदेशी भाषाओं में करियर की इस समय कई राहें हैं. विदेशी भाषाओं में फ्रेंच भाषा अत्यधिक महत्व रखती है क्योंकि दुनिया में अंग्रेजी के बाद जिस योरपियन भाषा का सबसे ज्यादा महत्व है वह फ्रेंच ही है. फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री के बाद करियर की असीम संभावनाएं बनती हैं. वैश्वीकरण के कारण फ्रेंच भाषा के पाठ्यक्रमों का महत्व तेजी से बढ़ा है. विदेशी दूतावास, कॉर्पोरेट सेक्टर, फ्रांस की कंपनियां अनुवादक, सरकारी विभागों में फ्रेंच भाषा के जानकार, मीडिया क्षेत्र में आदि में फ्रेंच भाषा में बेहतर करियर के कई उजले अवसर हैं. युवा प्रामाणिक तौर पर भाषा की जानकारी से मल्टीनेशनल कंपनियों में अच्छे पदों पर काम कर सकते हैं.

शैक्षणिक योग्यता- 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद युवा सर्टिफिकेट कोर्सेस से विदेशी भाषाओं को सीख सकते हैं. किए जा सकते हैं डिग्री और डिप्लोमा कोर्स- फ्रेंच भाषा के तीन माह में होने वाले सर्टिफिकेट कोर्स के बाद डिप्लोमा और डिग्री कोर्सेस भी किए जा सकते हैं.

इन संस्थानों से आप डिग्री या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, कोलकाता, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, बेंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरू.

करियर काउंसलर्स के मुताबिक विदेशी भाषाओं में करियर की इस समय कई राहें हैं. विदेशी भाषाओं में फ्रेंच भाषा अत्यधिक महत्व रखती है क्योंकि दुनिया में अंग्रेजी के बाद जिस योरपियन भाषा का सबसे ज्यादा महत्व है वह फ्रेंच ही है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

MP: कोरोना पॉजिटिव आरोपी को पकड़ना पुलिस पर पड़ा भारी, क्वॉरंटीन की गई पूरी टीम

कोरोना काल में इंदौर पुलिस के लिए ड्यूटी करना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है. अपराधियों को पकड़ना पुलिस पर भारी पड़ रहा है. हत्या के आरोपी को पकड़ने वाले पुलिस कर्मियों को क्वॉरंटीन कर दिया गया है.

इंदौर. कोरोना काल में इंदौर पुलिस के लिए ड्यूटी करना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है. अपराधियों को पकड़ना पुलिस पर भारी पड़ रहा है. हत्या के आरोपी को पकड़ने वाले पुलिस कर्मियों को क्वॉरंटीन कर दिया गया है. क्योंकि आरोपी की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है.

मामला इंदौर के देपालपुर क्षेत्र का है जहां अटहेड़ा में 27 मई को हुई हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. आरोपी में जब कोरोना के लक्षण दिखे तो, उसकी जांच कराई गई. जिसमें वो पॉजिटिव पाया गया है.

ष्टरूाह्व एमपी शर्मा का कहना है कि सभी पुलिस जवानों और आरोपी के संपर्क में आए लोगों की कोविड सेम्पलिंग की जा रही है. उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने वाले देपालपुर थाना के पुलिस जवानों को होम क्वारंटीन कर दिया गया है. पूरे पुलिस थाने को सेनिटाइज किया गया है.

कोरोना काल में इंदौर पुलिस के लिए ड्यूटी करना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है. अपराधियों को पकड़ना पुलिस पर भारी पड़ रहा है. हत्या के आरोपी को पकड़ने वाले पुलिस कर्मियों को क्वॉरंटीन कर दिया गया है. क्योंकि आरोपी की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है.

मामला इंदौर के देपालपुर क्षेत्र का है जहां अटहेड़ा में 27 मई को हुई हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. आरोपी में जब कोरोना के लक्षण दिखे तो, उसकी जांच कराई गई. जिसमें वो पॉजिटिव पाया गया है.

ष्टरूाह्व एमपी शर्मा का कहना है कि सभी पुलिस जवानों और आरोपी के संपर्क में आए लोगों की कोविड सेम्पलिंग की जा रही है. उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने वाले देपालपुर थाना के पुलिस जवानों को होम क्वारंटीन कर दिया गया है. पूरे पुलिस थाने को सेनिटाइज किया गया है.

उत्तराखंड में कोरोना के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता, संक्रमितों का आंकड़ा एक हजार के करीब

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, उत्तराखंड में अभी भी कोरोना के 746 एक्टिव केस हैं. 243 रोगियों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है.

देहरादून. उत्तराखंड में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा एक हजार के करीब पहुंच गया है, ऐसे में शासन-प्रशासन की चिंताएं और बढ़ गई हैं. सरकारी आंकड़ों के अनुसार 41 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर अब 999 हो गई है. वहीं, रिकवरी रेट 24.32 प्रतिशत और डबलिंग रेट घटकर 5.89 दिन रह गया है.

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, उत्तराखंड में अभी भी कोरोना के 746 एक्टिव केस हैं. 243 रोगियों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है. अब तक 7 कोरोना संक्रमितों की मौत भी हुई है. आज 893 सैंपल्स की रिपोर्ट नेगेटिव आई है. साथ ही 1268 सैंपल्स को कोविड टेस्ट के लिए भेजा है. अभी-भी 6863 सैंपल्स की रिपोर्ट का आना बाकी है.

उत्तराखंड में कोरोना के जिलेवार आंकड़े

नैनीताल जिले से कोरोना के सबसे ज्यादा 261 केस सामने आए हैं. वहीं, राजधानी देहरादून से 218, टिहरी गढ़वाल-88, उधम सिंह नगर से 82, हरिद्वार में 77, अल्मोड़ा में 63, पौड़ी गढ़वाल-34, चंपावत-33, पिथौरागढ़-27, उत्तरकाशी-बागेश्वर में 21-21, चमोली-16, रुद्रप्रयाग में 6 केस सामने आए हैं. जबकि 52 लोगों की कोरोना रिपोर्ट प्राइवेट लैब से पॉजिटिव आई है.

कांग्रेस नहीं भुना पा रही अजय लल्लू की गिरफ्तारी का मुद्दा, यूपी कांग्रेस में गुटबाज़ी बनी बड़ी वजह

▸ बसों के फर्जीवाड़े मामले में गिरफ्तार हुए यूपी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय लल्लू की गिरफ्तारी का मुद्दा यूपी कांग्रेस के लिए संजीवनी साबित हो सकता था.

लखनऊ. बसों के फर्जीवाड़े मामले में गिरफ्तार हुए यूपी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय लल्लू की गिरफ्तारी का मुद्दा यूपी कांग्रेस के लिए संजीवनी साबित हो सकता था. इसके दम पर यूपी में कांग्रेस वापसी कर सकती थी, लेकिन पार्टी में लगातार चल रही गुटबाज़ी के चलते आलम ये है कि कोई भी कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर या किसी तरह के बड़े संघर्षो से बचता हुआ नजर आ रहा है.

राहुल गांधी हों या प्रियंका गांधी, दोनों ही सोशल मीडिया के माध्यम से अजय कुमार लल्लू की गिरफ्तारी को सरकार विरोधी बता रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी कांग्रेस के प्रदेश के नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस और पार्टी दफ्तर के अंदर ही मात्र आंदोलन के बैनर ही लगाकर कांग्रेस सांकेतिक प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही है जिससे आंदोलन को धार नहीं मिल पा रही है.

उत्तर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू की गिरफ्तारी के बाद 1 जून को उनकी बेल स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने खारिज कर दी. जिसके बाद अब कांग्रेस पार्टी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रही है.

अब सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस अगर कोई प्रदर्शन करेगी भी तो इसका नेतृत्व कौन करेगा.

हालांकि कांग्रेस के प्रवक्ता ये दलील जरूर दे रहे हैं कि हम लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से संघर्ष कर रहे है, लेकिन जहां भी सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, सरकार फ़र्ज़ी मुकदमा लिखवा रही है.

गौरतलब है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ पुलिस ने लखनऊ में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था और इसके बाद लखनऊ पुलिस ने आगरा जाकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. लखनऊ पुलिस की दलील और दस्तावेज देखने के बाद कोर्ट ने बीते सोमवार को लल्लू की जमानत खारिज कर दी थी.

फिलहाल जिस मुद्दे पर कांग्रेस और यूपी सरकार आमने-सामने आ गए थे उस मुद्दे पर यूपी कांग्रेस की गुटबाज़ी ने मात्र सोशल मीडिया तक ही अपना विरोध सीमित कर दिया.

कैलाश विजयवर्गीय बोले- कमलनाथ ने MP की जनता को छला, सभी 24 सीटें जीतेगी भाजपा

प्रेमचंद गुड्डू के कांग्रेस में शामिल होने से सांवेर सीट पर मुकाबला रोचक होने के सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा, "सांवेर सीट पहले से ज्यादा वोट से जीतेंगे. सांवेर ही नहीं, सभी उपचुनाव हम जीतेंगे."

इंदौर. भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने पार्टी दफ्तर में मंगलवार को संगठन महामंत्री सुहास भगत और प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा से लंबी चर्चा की. कैलाश विजयवर्गीय ने संविधान में इंडिया को भारत लिखे जाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका का समर्थन किया.

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, "अच्छा है. सैद्धांतिक रूप से हम इसका समर्थन करते हैं. बहुत विलंब से यह मांग उठी है, यदि पहले उठती तो अच्छा होता.' प्रेमचंद गुड्डू के कांग्रेस में शामिल होने से सांवेर सीट पर मुकाबला रोचक होने के सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा, "सांवेर सीट पहले से ज्यादा वोट से जीतेंगे. सांवेर ही नहीं, सभी उपचुनाव हम जीतेंगे."भाजपा महासचिव ने कहा, "क्योंकि कमलनाथ जी ने मध्य प्रदेश की जनता के साथ छलावा किया है. किसानों से कहा था कर्ज माफ करेंगे, कर्ज माफ नहीं हुआ.

बेरोजगार नौजवानों से कहा था भत्ता देंगे, दिया नहीं. कामकाजी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से कहा था कर्ज माफ करेंगे, उनका कर्ज माफ नहीं हुआ. दूध वालों को कहा था प्रति लीटर 5 रुपए की सब्सिडी देंगे, दी नही. हर वर्ग को छला है उन्होंने." कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, "सब लोग ठानकर बैठे हैं कि बीजेपी को विजयी बनाएंगे. क्योंकि जिस तरह शिवराज जी के नेतृत्व मे सरकार चल रही है, अभी जो गेंहू उपार्जन हुआ किसानों का उत्पादन सरकार खरीद रही है. गरीबों के कल्याण की, किसानों के कल्याण की योजना लॉन्च हो गई है. कमलनाथ जी ने मप्र की जनता से छलावा किया. इसलिए सभी सीट कांग्रेस हारेगी."

दीपक जोशी के नाराज होने और उनको मनाने उनके घर जाने के सवाल पर कैलाश विजयवर्गीय बोले, 'डैमेज हो तब डैमेज कंट्रोल किया जाता है. दीपक जोशी कोई आज के कार्यकर्ता हैं क्या? उनके पिताजी (कैलाश जोशी) कितना बड़ा नाम हैं, यदि उनके बेटे पर कोई शक कर रहा है तो यह उसकी राजनीतिक नासमझी है. दीपक जी से मिलना सहज था. आज भी मैं वापस जाते हुए दो-तीन कार्यकर्ताओं से मिलूंगा."

इंदौर: कोरोना से मरने वालों का डेथ सर्वे करेगा स्वास्थ्य विभाग, संक्रमण के बढ़ने का लगाएगा पता

इंदौर . मध्य प्रदेश के इंदौर में कोरोना वायरस से बचाव के लिए हम मुमकिन कोशिश की जा रही है. बावजूद इसके जिले में ये वायरस तेजी से अपने पैर पसार रहा है. इस संक्रमण के बढ़ने की वजह को तलाशने के लिए अब स्वास्थ्य विभाग कोरोना से मरने वालों का डेथ सर्वे करेगा.

CMHO डॉक्टर एमपी शर्मा का कहना है कि सर्वे के जरिये पता चलेगा कि कोरोना के चलते जिन लोगों की मौत हुई है उनके इलाज में लापरवाही कहां हुई है और आखिर किस वजह से इलाज में लेट लतीफी हुई.

▸मध्य प्रदेश के इंदौर में कोरोना वायरस से बचाव के लिए हम मुमकिन कोशिश की जा रही है. बावजूद इसके जिले में ये वायरस तेजी से अपने पैर पसार रहा है.

CMHO की मानें तो, डेथ सर्वे में यह साफ हो जाएगा कि मरने वाले व्यक्ति में संक्रमण कहां से आया. डेथ सर्वे में मरने वाले व्यक्ति की ट्रेवल हिस्ट्री की जांच की जाएगी. उन्होंने कहा कि ACS मोहम्मद सुलेमान के निर्देश पर ये डेथ सर्वे किया जा रहा है. आपको बता दें कि हर दिन कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़ रही है. 01 जून के इंदौर हेल्थ बुलेटिन में तीन मरीजों की मौत की पुष्टि के बाद आंकड़ा बढ़कर 138 हो गया है.

झारखंड: जमीनी कार्यकर्ताओं को खोजेगी कांग्रेस, टीम सोनिया-राहुल बनाकर पार्टी करेगी मजबूत

रांची. झारखंड में सत्तासीन कांग्रेस अब संगठन को भी मजबूती देने की तैयारी में है. झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अपनी नई कमेटी के गठन से पहले पूरे झारखंड के गांव गांव का दौरा कर जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकताओं को तलाशेगें. जनता के बीच रहने वाले खांटी संगठन के लोगों से अपनी नई कमेटी के गठन की तैयारी में हैं तो बीजेपी झारखंड में कांग्रेस के संगठन को मानने को तैयार नहीं है.

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर उरांव की मानें तो झारखंड में जल्दी ही टीम सोनिया , टीम राहुल का गठन करेगें जो सूबे की टीम कांग्रेस होगी. नई टीम के गठन स्व पहले गांव गांव घूमेंगे. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की मानें तो गठन का पैमाना होगा जनसेवा रामेश्वर उरांव ने बताया.

इस आपदा में हमने देखा है गांव में कौन कौन से लोगों ने काम किया है, कोई आपदा आती है तो कुछ सीखा कर जाती है. जो बेहतर काम आपदा के समय मे किया है ,लोगो के साथ खड़े दिखे , लोगो के लिए काम किया उनको हम झारखंड के टीम कांग्रेस में जगह देंगे.

झारखंड में टीम कांग्रेस के गठन के तरीके पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने पलटवार करते हुए कहा, हर राजनीति दल का काम है जनाधार बढ़ाना , लेकिन जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की मंशा है उनके पास संगठन है ही नहीं , जनता के वादे इरादे पर खड़े नहीं उतर रहे हैं. विधानसभा चुनाव में जो मेनिफेस्टो जारी कर जो वादे किये किसानों को कर्ज से मुक्ति दिलायेगें वो वादे वादे रह गए. वो संगठन को मजबूती का प्रयास करें कितना सफल होगा समय बताएगा.

सत्तासीन कांग्रेस की प्राथमिकता पार्टी को मजबूती देने के लिए जनता से सरोकार रखने वाले लोगों को टीम में जगह देकर संगठन को मजबूती देना है , तो बीजेपी सूबे में कांग्रेस के संगठन को तबज्जो देने को तैयार

15 जून के बाद बिहार में बंद कर दी जाएगी ब्लॉक क्वारंटाइन सेंटर्स की सेवा- नीतीश कुमार

वह दो सप्ताह यानी 15 जून तक पूरा हो जाएगा. 1 जून तक 3872 कोरोना संक्रमण के मामले बिहार में मिले हैं. 3 मई के बाद जो प्रवासी आए, उनमें सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण पाया गया. इसकी संख्या 2743 है.

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर रहे हैं. अनलॉक 1 को कैसे सफल बनाया जाए, इसी रणनीति पर विचारविमर्श चल रहा है. उन्होंने कहा कि बिहार में 15 जून तक ही ब्लॉक क्वारंटाइन सेंटर्स चलेगा. उसके बाद उसे बंद कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि 2 जून तक सभी प्रवासी बाहर से घर आ जाएंगे. 15 तक उनका क्वारंटाइन पीरियड पूरा हो जाएगा. इसके बाद क्वारंटाइन की जरूरत नहीं होगी. सरकार ने ए केटेगरी का शहर जो डिफाइन किया है, उन शहरों से आनेवाले प्रवासियों को दो सप्ताह के लिए ब्लॉक क्वारंटाइन सेंटर्स में आवासित कराया जाता है. वह दो सप्ताह यानी 15 जून तक पूरा हो जाएगा. 1 जून तक 3872 कोरोना संक्रमण के मामले बिहार में मिले हैं.

3 मई के बाद जो प्रवासी आए, उनमें सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण पाया गया. इसकी संख्या 2743 है. ज्यादातर प्रवासी श्रमिकों में कोरोना संक्रमण के मामले अन्य राज्यों से आए हुए हैं. सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र से 677, दिल्ली से 628, गुजरात से 405, हरियाणा से 237, यूपी से 149, राजस्थान से 126, पश्चिम बंगाल से 107, तेलंगना से 104, शेष राज्यों की संख्या 2 अंकों में है. इसके

अलावा मंगलवार को 15 ट्रेनों से 24 हजार 750 लोग बिहार आ रहे हैं. सबसे अधिक केरल से 7, तमिलनाडु से 3, गोवा और महाराष्ट्र से 22 और हरियाणा से 1 ट्रेनों से प्रवासियों की बिहार वापसी हो रही है. ये ट्रेनें बिहार सरकार की पहल पर चलाई जा रहीं थीं. बैठक में यह बताया गया कि अन्य ट्रेनों से आने वाले लोग होम क्वारंटाइन में रहेंगे. मुख्यमंत्री का निर्देश है कि जो डोर टू डोर स्क्रीनिंग हो रही है, उसमे गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को चिह्नित कर उनका विशेष रूप से ध्यान रखने को कहा गया है.

लॉकडाउन में काफी हद तक ढील दी जा चुकी है और अब काफी गतिविधियां बढ़ाई जाएंगी. इसके अलावा उन्होंने कहा कि जागरुकता और सोशल डिस्टेंसिंग ही कोरोना से बचाव का प्रभावी उपाय है. ऐसे में सरकार ने बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है. सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि सभी पंचायतों में माइकिंग एवं विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स/ होर्डिंग्स /रेडियो /टेलीविजन के जरिए काफी इंटेंसिटी के साथ अवेयरनेस ड्राइव चलाया जाएगा. कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जो भी उपाय हैं, लोग उनका अनुपालन करें. इसके लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा.

यूरोपीय संघ ने भी जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के खिलाफ उठाई आवाज, कहा-यह ताकत का दुरुपयोग

ब्रसेल्स:

यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक ने अमेरिका में अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के खिलाफ आवाज उठाते हुए इसे ताकत का दुरुपयोग करार देते हुए कहा कि 27 देशों का समूह इस घटना से ''हैरान एवं चकित'' है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने पत्रकारों से कहा, '' अमेरिका के लोगों की तरह हम भी जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या से हैरान एवं चकित हैं।'' फ्लॉयड को पिछले हफ्ते मिनियापोलिस में एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने जमीन पर गिरा दिया था और घुटनों से उसकी गर्दन को दबाए रखा था जिससे उसकी मौत हो गई। बोरेल ने कहा कि यकीनन कानून एवं व्यवस्था के अधिकारी अपनी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल नहीं कर रहे जितना की उन्हें जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के मामले में करना चाहिए था । उन्होंने कहा कि यह ताकत का दुरुपयोग है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह ''शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का समर्थन करते हैं और साथ ही किसी भी प्रकार की हिंसा तथा नस्लवाद की निंदा करते हैं। हम तनाव कम करने की भी अपील करते हैं।'' बोरेल ने कहा, '' हमें मुश्किल समय में महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने और राष्ट्र को बचाने की अमेरिकी लोगों की एकजुटता पर विश्वास है। '' उन्होंने कहा, '' सभी जिंदगियां मायने रखती हैं। अश्वेतों की जिंदगी भी उतनी ही...।''

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का चुनाव 17 जून को; भारत भी उम्मीदवार, जीत निश्चित

संयुक्त राष्ट्र:

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पांच अस्थायी सीटों के लिए चुनाव 17 जून को कराए जाएंगे। विश्व निकाय के अंतरिम कार्यक्रम में इसकी जानकारी दी गयी है । सोमवार को जारी सुरक्षा परिषद के इस महीने के अनौपचारिक अंतरिम कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा परिषद के चुनाव 17 जून को होंगे । फ्रांस ने इसी दिन 15 देशों की इस परिषद की अध्यक्षता संभाली थी। एशिया प्रशांत खंड में 2021-22 के कार्यकाल के लिए भारत इस अस्थायी सीट के लिए उम्मीदवार है। उसकी जीत तय है क्योंकि इस खंड में भारत एकमात्र सीट पर अकेला दावेदार है। भारत की उम्मीदवारी को चीन और पाकिस्तान समेत 55 देशों के एशिया-प्रशांत समूह ने पिछले साल जून में सर्वसम्मति से समर्थन दिया था। महासभा ने पिछले हफ्ते कोरोना महामारी के कारण प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए नई मतदान व्यवस्था के तहत सुरक्षा परिषद चुनाव कराने का निर्णय लिया था। मतदान के तौर तरीकों में किसी प्रकार का बदलाव भारत की संभावनाओं को बहुत प्रभावित नहीं करेगा क्योंकि एशिया प्रशांत क्षेत्र से वह एकमात्र उम्मीदवार है और इसका कार्यकाल जनवरी 2021 से शुरू होगा । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के चुनाव महासभा के हॉल में होते हैं और इस दौरान सभी 193 सदस्य गुप्त बैलेट के जरिये अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हैं। कोविड-19 के कारण वैश्विक निकाय के मुख्यालय में जून के अंत तक की सभी बैठकें स्थगित कर दी गयी है । नयी व्यवस्था के तहत महासभा के अध्यक्ष तिज्जानी मुहम्मद बंदे सभी सदस्य देशों को एक

पत्र लिखेंगे । यह पत्र पहले राउंड के गुप्त बैलेट मतदान से कम से कम दस कार्य दिवस पहले लिखा जाएगा, जिसमें सदस्यों को चुनाव की तारीख, रिक्त सीटों की संख्या, मतदान स्थल और आने जाने की सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। कनाडा, आयरलैंड एवं नॉर्वे 'पश्चिम यूरोप एवं अन्य देशों' की श्रेणी में दो सीटों के लिए दावेदार हैं । दूसरी ओर 'लातिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देश' श्रेणी से मेक्सिको एकमात्र उम्मीदवार है । केन्या एवं दजिबाउती अफ्रीकी समूह से मैदान में हैं । इससे पहले भारत अस्थायी सीटों पर परिषद के सदस्य के तौर पर 1950-1951, 1967-1968, 1972-1973, 1977-1978, 1984-1985, 1991-1992 तथा हाल में 2011-2012 पर निर्वाचित हो चुका है।

भारत की सीमा पर चीन की कार्रवाई सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के व्यवहार का हिस्सा ˜ पोम्पिओ

नयी दिल्ली. अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा है कि भारत की सीमा या हांगकांग या दक्षिण चीन सागर में चीन की कार्रवाई हाल के दिनों में बीजिंग में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के व्यवहार का हिस्सा है। पर्वतीय पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास कई इलाकों में भारत और चीन के सैनिकों के बीच चार हफ्तों तक गतिरोध कायम रहा। दोनों देश विवाद को सुलझाने के लिए सैन्य और राजनयिक स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। पोम्पिओ ने एक कार्यक्रम में कहा कि हम आज भी भारतीय सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास चीनी सैनिकों की बढ़ती संख्या देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना वुहान से शुरू कोरोना वायरस महामारी पर वैश्विक प्रतिक्रिया को देर करने के साथ ही छिपाने और उसे उलझाने में लगी हुयी है। उसने हांगकांग के लोगों की स्वतंत्रता को नष्ट करने वाली कार्रवाई की है। वह हांगकांग से जुड़े एक विवादास्पद कानून का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के इस शासन के व्यवहार के वे सिर्फ दो हिस्से हैं। प्रकृति और वे जो कर रहे हैं, वह गतिविधि, बौद्धिक संपदा की चोरी करने के लिए निरंतर प्रयास, दक्षिण चीन सागर में आगे बढ़ना ...।'' कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में 3,75,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और 62 लाख से अधिक लोग संकमित हुए हैं। अमेरिका में 1,00,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस महामारी ने चीन और अमेरिका के बीच के तनाव को और बढ़ा दिया है। अमेरिका का दावा है कि यह वायरस वुहान में एक प्रयोगशाला से आया है। पोम्पिओ ने कहा कि ये सभी ऐसे कार्य हैं जो अधिनायकवादी शासन में किए जाते हैं। उनका वास्तविक असर न केवल चीन में चीनी लोगों पर और हांगकांग में वहां के लोगों पर होता है, बल्कि दुनिया भर के लोगों पर एक वास्तविक प्रभाव पड़ता है।

'साउथ एशियन्स फॉर बाइडेन' ने जॉर्ज फ्लॉयड और उसके परिवार के लिए न्याय की मांग की

वाशिंगटन. पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन का समर्थन करने वाले स्वयंसेवी संगठन 'साउथ एशियन्स फॉर बाइडेन' ने अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के साथ एकजुटता दर्शाते हुए जॉर्ज फ्लॉयड और उनके परिवार के लिए न्याय की मांग की है। रेस्तरां में काम करने वाले अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के 46 वर्षीय फ्लॉयड की मिनियापोलिस में सोमवार को मौत हो गई थी । एक श्वेत पुलिस कर्मी ने उन्हें जमीन पर गिरा कर घुटने से उनका गला दबा दिया था। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि पुलिस कर्मी ने फ्लॉयड की गर्दन को घुटने से दबा रखा है और फ्लॉयड को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। इस घटना के बाद अमेरिका में विरोध के स्वर मुखर हो उठे हैं। साउथ एशियंस फॉर बाइडेन (एसएबी) की राष्ट्रीय निदेशक नेहा दीवान ने कहा, ''साउथ एशियंस फॉर बाइडेन अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के साथ मजबूती से खड़े होकर जॉर्ज फ्लॉयड और उनके परिवार के लिए न्याय की मांग करते हैं।'' उन्होंने कहा कि विशेषकर अश्वेत समुदाय के लोगों को कानून के प्रवर्तन और न्याय प्रणाली में जड़ें जमाए बैठे नस्लवाद का सामना करना पड़ता है जिसका परिणाम, अत्याधिक यातना, चोट और कभी-कभी मौत भी हो जाती है। अहमुद एर्बी, ब्रायो टेलर, फ्लॉयड और कई अन्य जो अन्याय के शिकार हुए हैं इन घटनाओं के मद्देनजर यह स्पष्ट है कि अमेरिका को अब पहले से कहीं अधिक एक ऐसे नेता की आवश्यकता है जो देश को एकजुट कर सके। दीवान ने कहा, ''कल, जब राष्ट्रपति ट्रम्प हमारे देश को संबोधित करने के बजाय अपने बंकर में छिप गए थे । उपराष्ट्रपति बाइडेन ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और देश को नस्लीय और सामाजिक न्याय के खिलाफ चलाए जा रहे एजेंडा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।÷ बाइडेन फॉर प्रेसिडेंट और एशियन अमेरिकन पैसिफिक आईलैंडर (एएपीआई) लीडरशिप काउंसिल के राष्ट्रीय वित्तीय समिति सदस्य अजय जैन भूतोरिया ने कहा कि फ्लॉयड की दिनदहाड़े हत्या के खिलाफ प्रदर्शन करना सही और आवश्यक है।

जिंदगी से हार गई पाकिस्तान विमान हादसे में बच्ची, अस्पताल में तोड़ा दम

कराची:

पाकिस्तान के कराची में विमान दुर्घटना में गंभीर रूप से झुलसी 13 वर्षीय किशोरी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मंगलवार को मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई है। इसके साथ ही इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 98 हो गई है। 22 मई को 99 यात्रियों को लेकर लाहौर से रवाना हुई पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की पीके-8303 उड़ान कराची स्थित मॉडल कॉलोनी के रिहाइशी इलाके जिन्ना गार्डन में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें 97 यात्रियों ने दम तोड़ दिया था। दो यात्री बच गए थे। 'डॉन' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, नाहिदा अपनी दो बहनों अजीजा (20) और माहिरा (18) के साथ मॉडल कॉलोनी में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। जब विमान हादसा हुआ तब वे रोजाना की तरह घर की सफाई कर रही थीं। वे दुर्घटना में बुरी तरह झुलस गई थीं।

वर्जीनिया में कर्फ्यू के उल्लंघन पर 200 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

वाशिंगटन।

अमेरिका के वर्जीनिया राज्य की राजधानी रिचमंड में लगभग 200 नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारियों को कर्फ्यू उल्लंघन के लिए गिरफ्तार किया गया है। वर्जीनिया डिफेंडर्स फॉर फ्रीडम, जस्टिस एंड इक्वलिटी आंदोलन के नेता फिल विलेयटो ने मंगलवार को बताया कि लगभग 200 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, ÷लगभग 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वे सोमवार रात मेयर द्वारा लगाए गए आठ बजे के कर्फ्यू का विरोध करने के लिए मार्च कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों में से किसी की भी पिटाई नहीं हुई या कोई भी घायल नहीं हुआ लेकिन सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को जेल जाने से पहले कई घंटे बसों में बिताने पड़े। उन सभी को हथकड़ी लगा कर घंटों बस में बिठा दिया गया। अमेरिका के कई शहरों में निहत्थे अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में हुई हत्या पर व्यापक विरोध- प्रदर्शन हुए। विरोध प्रदर्शन जल्द ही आगजनी, लूटपाट और पुलिस के साथ झड़पों और तथा दंगों में बदल गया।वाशिंगटन से सिर्फ दो घंटे की दूरी पर स्थिति रिचमंड शहर में भी रविवार को कई जगहों पर विरोध-प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद कर्फ्यू लगा दिया। श्री विलेयटो को हालांकि गिरफ्तार नहीं किया गया और उन्होंने अपने दो दोस्तों की रिहाई में मदद की, जिन्होंने एक रात हिरासत में बिताई थी। उन्हें आज सुबह लगभग आठ बजे रिहा किया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शहर प्रशासन प्रदर्शनकारियों को रात भर के लिए जेल में रखना चाहता था ताकि वे फिर से विरोध करने के लिए सड़कों पर न लौटें।'गौरतलब है कि फिलाडेल्फिया के मिनेसोटा के मिनीपोलिस में 46 वर्षीय अफ्रीकी अमेरिकी व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत के बाद पूरे अमेरिका में 25 मई से पुलिस बर्बरता और नस्लवाद के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गये। एक पुलिस अधिकारी डेरेक चाउविन के फ्लॉयड के मरने से ठीक पहले उसकी गर्दन को आठ मिनट से अधिक समय तक अपने घुटने से दबा कर रखने का वाडियो सामने आने के बाद ये विरोध-प्रदर्शन शुरू हुए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में कैद ईरानी वैज्ञानिक रिहा, वापस लौट रहे अपने देश

तेहरान: ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका में कैद में रहे एक ईरानी वैज्ञानिक रिहा होने के बाद वापस वतन आ रहे हैं। जरीफ ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, ''सिरौस असगरी ईरान आने वाली उड़ान में सवार हैं।'' जरीफ ने लिखा, ''उनकी पत्नी और उनके परिवार को बधाई।'' उड़ान के बारे में ईरान के सरकारी मीडिया की तरफ से फिलहाल कुछ नहीं बताया गया है। अमेरिका के कार्यवाहक उप गृह सुरक्षा मंत्री केन क्यूकेनेली ने पहले एसोसिएटेड प्रेस को बताया था कि डीएचएस ने व्यापार से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों को चुराने की कोशिश के आरोप में बरी होने के बाद असगरी को वापस उनके देश भेजने की कोशिश 12 दिसंबर को शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा था कि ईरान ने उन्हें वैध रूप से ईरानी नागरिक के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया था और फरवरी के अंत तक उन्हें वैध पासपोर्ट जारी नहीं किया था।

शिकागो में गोलीबारी में दो लोगों की मौत , 60 गिरफ्तार

वाशिंगटन । अमेरिका में अश्वेत नागरिक जार्ज फ्लायड की पुलिस हिरासत में मौत के बाद फैली नस्लीय-विरोधी अशांति के बीच शिकागो शहर के उपनगर सिएरा टाउन में प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी में दो लोगों की मृत्यु हो गयी और कम से कम 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।खबर के मुताबिक स्थानीय प्रवक्ता रे हनानिया के हवाले से बताया कि शिकागो के निचले इलाकों में बंद के बाद बाहरी प्रदर्शनकारी शहर में घुसे और गोलीबारी को अंजाम दिया। प्रवक्ता ने बताया कि गोलीबारी में दो लोगों की मौत हुई है। इस मामले में करीब 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।सिएरा के 100 पुलिस अधिकारी शहर में गश्त कर रहे हैं तथा प्रांतीय पुलिस के करीब 120 अधिकारी इनकी सहायता कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि गौरतलब है कि फिलाडेल्फिया के मिनेसोटा के मिनीपोलिस में 46 वर्षीय अफ्रीकी अमेरिकी व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत के बाद पूरे अमेरिका में 25 मई से पुलिस बर्बरता और नस्लवाद के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गये।

अमेरिका में शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन होते देखना चाहते हैं गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद अमेरिका भर में हो रहे प्रदर्शन के बारे में कहा कि वह देश में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन देखना चाहते हैं और उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अधिकारियों से संयम बरतने का आह्वान किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सोमवार को गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने कहा कि महासचिव का संदेश है कि शिकायतों को सुना जाना चाहिए, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से व्यक्त किया जाना चाहिए और अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों के प्रति संयम दिखाना होगा। प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस की हिंसा के मामलों की जांच की जरूरत है। दुनिया भर के पुलिस बलों को पर्याप्त मानवाधिकार प्रशिक्षण की आवश्यकता है,और पुलिस के लिए सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन दिखाने की भी आवश्यकता है, ताकि वे समुदाय की सुरक्षा के संदर्भ में अपना काम ठीक से कर सकें। उन्होंने कहा कि अमेरिका में, दुनिया के किसी भी अन्य देश की तरह, विविधता एक समृद्धि है न कि खतरा। लेकिन किसी भी देश में विविध समाजों की सफलता के लिए सामाजिक सामंजस्य की काफी आवश्यकता होती है।

इराक में हवाई हमला, दो सैनिक और दो आतंकियों की मौत

बगदाद । इराक के नीनवे और दीयाला प्रांत में सोमवार को एक हवाई हमले और एक बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गयी जबकि दो आतंकवादी भी मारे गये।इराक के संयुक्त संचालन कमान के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में बताया कि एक हमले में दो इराकी सैनिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब एक सड़क के किनारे खड़े उनके वाहन में बम विस्फोट हो गया। इस दौरान नीनवे की राजधानी से 100 किलोमीटर दूर मखमौर शहर के बाहर पहाड़ी इलाकों में पुलिस का खोजी अभियान जारी था।प्रांतीय पुलिस से अल-अल-सादी ने बताया इराक के पूर्वी प्रांत दीयाला में इराकी गनशिप ने बकूबाह की राजधानी में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के ठिकानों पर बमबारी की।उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रांत में एक सुरक्षा बल ने इराकी राजधानी बगदाद से लगभग 65 किमी उत्तर-पूर्व में बकूबाह के पास एक बम बनाने वाली जगह पर एक ऑपरेशन चलाया। इस अभियान के तहत आईएस के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

अमेरिका की एंटी कोरोना वैक्सीन दिखा रही असर, मरीजों की हालत में हो रहा सुधार

लॉस एंजिलिस:

अमेरिका में तैयार की जा रही एंटी कोरोना वैक्सीन मरीजों पर कारगार साबित हो रही है। वैक्सीन तैयार करने वाली अमेरिका के कैलिफोर्निया की बायोटेक कंपनी का कहना है कि इसकी प्रायोगिक दवा रेमेडीसिविर को कोविड-19 से मामूली रूप से बीमार, अस्पताल में भर्ती मरीजों को पांच दिन तक देने पर लक्षणों में सुधार देखा गया है। गिलेड साइंसेज ने सोमवार को कुछ विवरण दिया, लेकिन कहा कि पूर्ण नतीजे मेडिकल जर्नल में जल्द प्रकाशित किए जाएंगे। प्रयोगों में रेमेडीसिविर एक ऐसी दवा के रूप सें उभरी है जिससे इस कोरोना वायरस की लाइलाज बीमारी से लड़ने में मदद की उम्मीद जगी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान की अगुवाई में एक बड़ा अध्ययन किया गया था जिसमें पाया गया कि यह दवा गंभीर रुप से बीमार अस्पताल में भर्ती मरीजों के ठीक होने की औसत अवधि को कम करती है। यह दवाई ठीक होने के दिनों को 15 से घटाकर 11 दिन करती है। यह दवा इंजेक्शन के जरिए नस में डाली जाती है। जापान में कोविड-19 के मरीजों का इलाज करने के लिए इसे स्वीकृति दी गई है। अमेरिका में भी इसे कुछ मरीजों को आपात स्थिति में देने की इजाजत दी गई है। कंपनी की अगुवाई में करीब 600 मरीजों पर अध्ययन किया गया। उन्हें मामूली निमोनिया था लेकिन उन्हें ऑक्सीजन की जरूरत नहीं थी। सभी को औचक तरीके से पांच से 10 दिन तक दवा दी गई साथ में सामान्य देखभाल की गई। गिलेड ने कहा कि अध्ययन के 11 वें दिन, जिन मरीजों को पांच दिन तक रेमेडीसिविर दी गई थी, उनमें सात बिंदु के पैमाने पर कम से कम एक पर, सुधार की संभावना 65 प्रतिशत अधिक थी। इनमें इलाज की जरुरत और सांस लेने की मशीन जैसे उपाय शामिल हैं। दस दिनों का इलाज अकेले मानक देखभाल से बेहतर साबित नहीं हुआ। जिन मरीजों को पांच दिन दवा दी गई उनमें से किसी की मौत नहीं हुई, जबकि 10 दिन दवा देने वालों में से दो की और सिर्फ मानक देखभाल पाने वालों में चार की मौत हुई। इस दवा को लेने वालों में हालांकि जी मिचलाने और सिरदर्द की शिकायत थोड़ा ज्यादा थी। यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा मेडिकल सेंटर में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ राधा राजासिंघम ने बताया कि अध्ययन की कुछ सीमाएं होती हैं लेकिन एक नियंत्रित समूह होता है जो यह सत्यापित करने में मदद करता है कि रेमेडीसिविर के कुछ फायदे हैं।

अफ्रीका महाद्वीप में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1.5 लाख के पार

जोहानिसबर्ग।

अफ्रीका महाद्वीप में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 1.50 लाख से अधिक हो गई है जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि 130 करोड़ की आबादी वाला यह महाद्वीप अब भी इस महामारी से सबसे कम प्रभावित हुआ है। अफ्रीका महाद्वीप में 54 देश हैं और इनमें से कई देश स्कूलों एवं अर्थव्यवस्था को खोलने को लेकर चिंतित हैं। रवांडा उप सहारा क्षेत्र का पहला देश है जिसने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन लागू किया था। इस हफ्ते देश में कोविड-19 से पहली मौत सामने आने के बाद उसने लॉकडाउन में ढील देने की गति धीमी कर दी। अफ्रीका में अबतक 4,300 से अधिक लोगों की कोरोना वायरस से मौत होने की पुष्टि हो चुकी है। महाद्वीप में स्थानीय स्तर पर संक्रमण फैल रहा है जबकि कई इलाकों में जांच और चिकित्सीय उपकरणों की भारी कमी है।

डब्ल्यूएचओ के दावों के उलट चीन ने दुनिया को देर से दी कोरोना वायरस की जानकारी

वाशिंगटन।

इस साल जनवरी के पूरे महीने के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन तुरंत जानकारी मुहैया कराने के लिए सार्वजनिक रूप से चीन सरकार की प्रशंसा करता रहा था लेकिन तथ्य यह है कि चीनी अधिकारियों ने नये वायरस के जीनोम की जानकारी तब जारी की जब एक हफ्ते पहले ही कई देश अपनी-अपनी प्रयोगशालाओं में कोरोना वायरस की आनुवंशिकी का पता लगा चुके थे। चीन ने संक्रमण के जांच के लिए तैयार किट, दवा या टीका के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी। एसोसिएटेड प्रेस को मिले आंतरिक दस्तावेज, ईमेल और दर्जनों साक्षात्कार से पता चलता है कि सूचनाओं पर सख्त नियंत्रण और चीन के जन स्वास्थ्य प्रणाली के भीतर ही प्रतिस्पर्धा की वजह से यह हुआ। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी डब्ल्यएचओ की जनवरी में हुई कई आंतरिक बैठकों के मुताबिक चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने नये वायरस के जीनोम की जानकारी 11 जनवरी को विषाणुरोग एजेंसी की वेबसाइट पर संबंधित सूचना सार्वजनिक किए जाने के बाद दी। इसके बाद भी चीन ने दो हफ्ते से अधिक समय तक डब्ल्यूएचओं को जरूरी जानकारी नहीं दी। हालांकि, सार्वजनिक रूप से डब्ल्यूएचओ चीन की प्रशंसा करता रहा। एपी को मिले दस्तावेजों के मुताबिक डब्ल्यूएचओ इस बात को लेकर चिंतित था कि वायरस से दुनिया को खतरे का आकलन करने के लिए चीन पर्याप्त सूचना मुहैया नहीं करा रहा है और इससे कीमती समय बर्बाद हो रहा है। एक बैठक में चीन के सरकारी चैनल सीसीटीवी को उद्धृत करते हुए चीन में डब्ल्यूएचओ के शीर्ष अधिकारी डॉ. गौडेन गालिया ने कहा, च्व्हम इस स्थिति में हैं कि वे सीसीटीवी पर सूचना प्रसारित होने से महज 15 मिनट पहले वह जानकारी दे रहे हैं। महामारी की शुरुआत में हुई घटनाओं की जानकारी ऐसे समय आई है जब डब्ल्यूएचओ सवालों के घेरे में था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गत शुक्रवार को डब्ल्यूएचओ से संबंध खत्म करने की घोषणा की। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी की चीन से मिलीभगत है और महामारी की तीव्रता से जुड़े तथ्यों को छिपा रही है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि चीन हमेशा समय पर डब्ल्यूएचओ को आंकड़े मुहैया कर रहा है लेकिन सामने आई नयी सूचना न तो चीन के दावे को और न ही अमेरिका के दावे को पुख्ता करती है। इससे साबित है कि डब्ल्यूएचओ दोनों के बीच घिरा है और अधिक आंकड़े चाहता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत देश उन आंकड़ों को मुहैया कराने के लिए बाध्य हैं जिससे जन स्वास्थ्य पर असर पड़ता है पर इसे लागू कराने का अधिकार डब्ल्यूएचओ के पास नहीं है। संगठन सदस्य देशों के सहयोग पर निर्भर है। एपी को मिली जानकारी के मुताबिक चीन से मिलीभगत के बजाय डब्ल्यूएचओ ने खुद को अधिकाधिक अंधेरे में रखा क्योंकि चीन ने न्यूनतम जानकारी दी। इसके बावजूद डब्ल्यूएचओ ने चीन की छवि सुधारने की कोशिश की जबकि अधिक सूचना होने पर संकट को जल्द समाप्त करने में मदद मिलती। डब्ल्यूएचओ के अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित थे कैसे प्रशासन को नाराज किए बिना और वैज्ञानिकों पर दबाव बनाए बिना चीन पर अधिक सूचना के लिए दबाव बनाया जाए। इसलिए उन्होंने कम समय में वायरस का जीनोम पता लगाने पर चीन की प्रशंसा की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शादी का झांसा देकर युवक ने युवती से शारीरिक संबंध बनाए, बाद में तस्वीरें वायरल करने की धमकी दी

सूरत शहर की वराछा क्षेत्र निवासी युवती को शादी का झांसा देकर एक युवक ने कई दफा शारीरिक संबंध बनाए और निजी पलों की तस्वीर और वीडियो बनाया! इस वीडियो के जरिए युवक के मित्रों ने भी युवती से दुष्कर्म करने का प्रयास किया! तंग आकर युवती ने अपने प्रेमी और उसके दो दोस्तों के खिलाफ पुलिस थाने में रपट दर्ज करवाई है!जानकारी के मुताबिक सूरत के कामरेज निवासी सागर वेलजीभाई गजेरा नामक युवक ने वराछा क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती को प्रेमजाल फांस लिया!

युवती के प्रेमजाल में फांसने के बाद सागर ने पिछले साढ़े तीन महीनों में अलग अलग जगहों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए! सागर ने निजी पलों की तस्वीरें और वीडियो भी बनाए!

एक दिन जश्मीन बोडा और रमेश घोघारी नामक सागर के दोस्त युवती को फार्म हाउस में ले गए! जहां युवती को उसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की!

जश्मीन और रमेश ने युवती के भाई को जान से मारने की भी धमकी दी! दूसरी ओर सागर ने भी शादी करने से इंकार कर दिया! युवती ने सागर और उसके दो दोस्तों के खिलाफ दुष्कर्म और शारीरिक छेड़छाड़ की पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दीद्य जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है!

खुनी खेल प्रेम संबंध की रंजिश में खेला गया

सूरत। लोकडाउन के बिच भी शहर के कुछ इलाकों में मारपीट,खुनी हमले असामाजिक तत्वों के उत्पात की घटनाए सामने आ रही है.अकबर शहीद टेकरा विस्तार में गत रात दो पक्षों के बिच घातक हथियारों से खुनी खेल खेला गया,जिसमे कई लोग घायल हुए जबकि स्थानीय लोगो में अफरातफरी और भय फ़ैल गया.

सलाबतपुरा पुलिस के मुताबिक अकबर शहीद टेकरा विस्तार में गत रात दो पक्षों के बिच घातक हथियारों से मारपीट और एक दूसरे पर हमला किया गया.हमले में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए.सभी को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया.पुलिस ने ये भी बताया की लड़की से प्रेम संबध की रंजिश और दोनों पक्षों के बिच मतभेद के कारण एक दूसरे पर जानलेवा हमला किया गया है.जबकि एक पक्ष द्वारा ये आरोप भी लगाया गया है की हमलावरों में एक शख्स सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन के एक पीएसआई का रिक्शा ड्राइवर है.लेकिन पीआई ने इससे इनकार किया है. पुलिस ने इस प्रकरण में दोनों पक्षों की शिकायत ली है

भाजपा नगर पार्षद कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अस्पताल में भर्ती

वडोदरा महानगर पालिका के वार्ड संख्या 14 की महिला नगर पार्षद दीपिका पटनी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उपचार के लिए उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है! भाजपा पार्षद दीपिका पटनी ने हाल में महानगर पालिका की सामान्य सभा में भाग लिया था! बीते दिन वडोदरा के याकुतपुरा निवासी कांग्रेस के पूर्व नगर पार्षद मंजूरखान पठान की कोरोना से मौत हो गई थी! मंजूरखान का पारूल मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा थाद्य वडोदरा में कोरोना से और दो मरीजों की मौत हो गई! जिसमें एक दवाई का व्यापारी और एक वृद्ध शामिल है! वडोदरा में कोरोना से अब तक 42 मरीजों की मौत हो चुकी है! दूसरी ओर भाजपा नगर पार्षद की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई!

वडोदरा के वार्ड संख्या 11 के नगर पार्षद अरविंद पटेल का शहर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था! जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया! अरविंद पटेल की मौत से भाजपा में शोक व्याप्त है!

गुजरात में चक्रवाती निसर्ग से निपटने 20 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरु किया

अहमदाबाद। गुजरात में चक्रवाती तूफान निसर्ग से निपटने की तैयारियों के बीच, वलसाड–नवसारी जिला प्रशासनों ने राज्य के तटीय क्षेत्रों में स्थित 47 गांवों से करीब 20 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है।वहीं तटीय क्षेत्रों के पास रहने वालों लोगों के लिए एक राहत की खबर आई है। भ.रतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को संकेत दिया कि हो सकता है कि चक्रवाती तूफान गुजरात तट पर न पहुंचे। राज्य मौसम विभाग केंद्र के निदेशक जयंत सरकार ने कहा कि हालांकि इसका प्रभाव तटीय क्षेत्रों में तेज हवाओं और भारी वर्षा के रूप में सामने आ सकता है। एहतियाती कदम के तौर पर वलसाड और नवसारी जिला प्रशासनों ने तट के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थ.ानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। कुल मिलाकर दोनों जिलों से करीब 20 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा।

वलसाड के जिला कलेक्टर आर आर रावल ने कहा, 35 तटीय गांवों से करीब 10 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए हमारी टीमें लगाई हैं। हमने आश्रय स्थलों की पहचान कर लोगों को निकालने का काम शुरू कर दिया है। सटे नवसारी जिले के कलेक्टर ए अग्रवाल ने कहा कि प्रशासन ने 12 गांवों के 10,200 लोगों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की है। मौसम विभाग की विज्ञ.प्ति के अनुसार, पूर्व–मध्य अरब सागर के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र वर्तमान में सूरत से लग.भग 670 किमी दूर है और अगले छह घंटों में एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है।

उसके बाद के 12 घंटों में यह एक भयंकर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा और ''तीन जून की दोपहर के आसपास उत्तरी महाराष्ट्र और उससे सटे दक्षिण गुजरात तट को पार कर जाएगा। इस दौरान हवा की अधिकतम गति 100 से 110 किमी प्रति घंटा होग.ी।गुजरात सरकार ने कहा, वर्तमान पूर्वानुमान के अनुसार, चक्रवात अलीबाग के पास टकराएगा जो कि उत्तर महाराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के बीच में स्थित है। हालांकि चक्रवात दक्षिण गुजरात को पार नहीं करेगा, लेकिन यह दक्षिण गुजरात में तेज हवाओं और भारी वर्षा के रूप में अपना प्रभाव छोड़ेगा।''

चक्रवात के कारण 4 जिलों के 20000 लोगों का स्थानांतरण : राहत आयुक्त

गुजरात राज्य के राहत आयुक्त हर्षद पटेल ने बताया कि संभावित चक्रवात को देखते हुए दक्षिण गुजरात के 4 जिलों से 20000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है! चक्रवात को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार दोनों सक्रिय हैं! चक्रवात के चलते नवसारी जिले में 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है! चक्रवात से सबसे ज्यादा असर सूरत, वलसाड और भरुच जिले में होगा! उन्होंने कहा कि दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी, सूरत और भरुच के अल.ावा सौराष्ट्र के भावनगर व अमरेली जिलों को सतर्क कर दिया गया है! समुद्र के 3 से 4 किलोमीटर निकट के गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है! सूरत में 1135, नवसारी में 11708, वलसाड में 6438 और भरुच में 1202 समेत 20483 से लोगों को स्थानांतरित किया जा चुका है! इन लोगों को 126 जितने आश्रय स्थानों पर रखा गया है! कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए आश्रय स्थानों पर सैनिटाइजिंग के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और मास्क इत्यादि की व्यवस्था की गई है! हर्षद पटेल ने बताया कि पिछले 24 घंटों में वलसाड, सूरत, भावनगर और अमरेली में 20 एमएम से अधिक बारिश हुई है! चक्रवात के कारण नवसारी, वलसाड, सूरत और भरुच जिले में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना हैद्य आणंद, अहमदाबाद, भावनगर और गिर सोमनाथ जिले भी अलर्ट पर हैं! उन्होंने बताया कि गुजरात में फिलहाल 13 एनडीआरएफ की टीमें उपलब्ध हैं! जिसमें वलसाड में 2, नवसारी, सोमनाथ, अमरेली और भावनगर में 1–1 समेत एनडीआरएफ की 10 टीमें तैनात की गई हैंद्य जबकि एनडीआरएफ की वडोदरा में 2 और 1 गांधीनगर में रिजर्व हैद्य जबकि एनडीआरएफ की अतिरिक्त 5 टीमें एयरलिफ्ट कर वडोदरा या सूरत में उतार कर उन टीमों को भी वलसाड में 2, सूरत में 2 और नवसारी जिले में 1 टीम को तैनात किया जाएगाद्य इसके अलावा एसडीआरएफ की 6 टीमों को नवसारी, भावनगर, वलसाड, सूरत, भरुच और अमरेली में तैनात किया गया है!

68.71 लाख राशन कार्डधारकों को जून महीने में भी मिलेगा मुफ्त अनाज

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने लगातार तीसरी बार जून महीने में भी राज्य के 68.71 लाख राशन कार्डधारकों को मुफ्त अनाज वितरण करने का फैसला किया हैद्य 15 जून 2020 से राज्य की 17 हजार से अधिक सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से अनाज का वितरण किया जाएगा! जिसमें गेहूं, चावल, चीनी और नमक मिलेगा! प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्य योजना के तहत भी जून महीने में प्रति व्यक्ति 3.50 किलो गेहूं, 1.5 किलोचावल और प्रति परिवार 1 किलो चने का मुफ्त वितरण किया जाएगाद्य इससे पहले अप्रैल महीने में लॉकडाउन के दौरान एनएफएसए 68 लाख परिवार को रु. 802 करोड़ की बाजार कीमत का 36.18 लाख क्विंटल अनाज और मई महीने में 36.18 लाख क्विंटल अनाज का मुफ्त वितरण राज्य सरकार ने किया हैद्य अब लगातार तीसरी बार जून महीने में राज्य के 68.71 लाख राशन कार्डधारकों को 15 जून से राज्य की 17 हजार से अधिक सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से वितरण किया जाएगा! करीब 36.87 लाख क्विंटल अनाज राज्य सरकार और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत वितरण किया जाएगा!

अहमदाबाद स्टेशन से आठ स्पेशल ट्रेनें चलायी गई

अहमदाबाद वर्तमान में एक और जहाँ क़ोरोना लॉकडाउन के कारण नियमित ट्रेनों का संचालन बंद है, वहीं भारतीय रेलवे द्वारा पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 10 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया गया है जिसमें एक जून को अहमदाबाद स्टेशन से हज़रत निज.ामुदीन दिल्ली, पटना, वाराणसी, गोरखपुर, मुज़फ्फरपुर, नईदिल्ली तथा मुंबई सेंट्रल के लिए स्पेशल ट्रेन चलायी गई। आज से चलायी गई उपरोक्त ट्रेनों में अहमदाबाद से कुल 9810 यात्रियों ने अपनी यात्रा के टिकट बुक किए। मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन से इन यात्री ट्रेनों को स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलाया जा रहा है तथा ये ट्रेने साबरमती व मणीनगर स्टेशनों पर नहीं ठहरेगी। अहमदाबाद स्टेशन पर भारत सरकार के हेल्थ प्रोटोकाल का पालन किया जा रहा है जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग के साथ पैसेंजर का टेम्परेचर स्क्रीनिंग तथा उनके लगेज को भी सेनेटाईज किया जा रहा है। रेल सुरक्षा बल भी पर्याप्त मात्रा में स्टेशन पर तैनात किया गया है जो यात्रियों की मदद एवं उन्हें उचित मार्गदर्शन दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर यात्रियों की स्क्रीनिंग लिए आटोमेटिक टेंप्रेचर स्क्रीनिंग पोईंट लगाया गया है जहाँ से यदि किसी यात्री का बॉडी टेम्प्रेचर अधिक है तो वह तुरंत अलर्ट करता है तथा उसका कंप्यूटराइज्ड रिकोर्ड भी दर्ज होता है। यदि किसी यात्री ने नहीं पहना है तो भी यह स्क्रीनिंग मशीन तुरंत अलर्ट करता है। उल्लेखनीय है कि इन स्पेशल ट्रेनों में केवल आरक्षित यात्री ही यात्रा कर सकेंगे। आरएसी यात्री को भी को भी ट्रेन में चढ़ने की अनुमति रहेगी किंतु वेट लिस्टेड पैसेंजर को ट्रेन में चढ़ने की अनुमति नहीं होगी यात्रियों से अनुरोध है कि सोशल डिस्टे.सिंग व स्क्रीनिंग के नियमों का पालन करने लिए डेढ़ से दो घंटे पूर्व ही स्टेशन पर पहुँचे। इससे ज़्यादा पहले आने की आवश्यकता नहीं है।

छत पर सो रही नाबालिग लड़की से युवक ने किया शारीरिक छेड़छाड़

अहमदाबाद शहर के गीता मंदिर क्षेत्र में घर की छत पर सो रही नाबालिग लड़की के साथ पड़ौस में रहनेवाले युवक द्वारा शारीरिक छेड़छाड़ की घटना सामने आई है।

लड़की की मां ने जब इसकी शिकायत युवक की माता से की तो वह अपने पुत्र को समझाने के बजाए पीड़िता की मां से भिड़

जिससे पीड़िता की मां ने युवक के खिलाफ पुलिस थाने में रपट दर्ज करवा दी।

गई। जिसके बाद लड़की की माता ने युवक के खिलाफ पुलिस थ.ाने में मामला दर्ज करवा दिया। भीषण गर्मी के चलते अहमदाबाद के गीता मंदिर में रहनेवाली मां और बेटी घर की छत सोते थे।

कुछ दिन पहले लड़की की मां किसी काम से नीचे चली गई। उस दौरान छत पर सो रहे पड़ौस का युवक लड़की के बगल में लेट गया और उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा। लड़की के जागने पर युवक वहां से चला गया। बाद में लड़की ने अपनी माता से युवक की शिकायत कर दी। लड़की की मां ने युवक को बुलाया और फटकार लगाई। दो दिन पहले युवक अपनी माता के साथ छत पर थाद्य उस वक्त लड़की की मां ने युवकों की करतूत की उसकी माता से शिकायत की। पीड़िता

8 साल की बच्ची से दुष्कर्म, नाबा.लिग आरोपी गिरफ्तार

राजकोट में 8 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है! राजकोट के नवागाम में रहनेवाली इस बच्ची

के साथ स्थानीय 17 वर्षीय नाबालिग युवक ने दुष्कर्म किया! पु.लिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है!

जानकारी के मुताबिक राजकोट के नवागाम में रहनेवाली 8 वर्षीय बच्ची अकेली जा रही थी! बच्ची को अकेली देख नवागाम में रहनेवाले 17 वर्षीय शख्स उसे बहला फुसला कर पुलिया के नीचे ले गयाद्य जहां उसके साथ दुष्कर्म किया! जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)